सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 29 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 12 नवंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

लाल आतंक के विरुद्ध जारी है अभियान - विष्णुदेव साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बीजापुर में सुरक्षाबलों की नक्सल विरोधी कार्रवाई में मिली बड़ी सफलता पर बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ पुलिस की डीआरजी और एसटीएफ की संयुक्त टीम द्वारा नक्सलियों के साथ चल रही मुठभेड़ में अब तक छह नक्सली न्यूट्रलाइज किए गए हैं। यह लाल आतंक के समूल नाश की दिशा में सुरक्षाबलों के जवानों की बड़ी सफलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सलवाद अब अपने अंतिम चरण में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी के नेतृत्व में 31 मार्च 2026 तक देश और प्रदेश से नक्सलवाद को समाप्त करने का जो संकल्प लिया गया है, उसकी दिशा में यह एक और निर्णायक कदम है। छत्तीसगढ़ सरकार इस मिशन को पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ा रही है।

अंबिकापुर में देह व्यापार में संलिप्त महिला गिरफ्तार

अंबिकापुर। आकाशवाणी चौक क्षेत्र में पुलिस ने देह व्यापार के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिला को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि वह बाहर से लड़कियां बुलाकर ग्राहकों से सौदा कर कमीशन लेती थी। घर से पुलिस ने दो हजार रुपए, डायरी और आपत्तिजनक सामान जब्त किया है। सीएसपी राहुल बंसल के नेतृत्व में पुलिस ने छापा मारा। एक युवक को ग्राहक बनाकर भेजा गया, जिस पर महिला ने सौदा किया और पुलिस ने उसे रंगेहाथ पकड़ लिया। पुलिस ने छत्तीसगढ़ की चार लड़कियों को पूछताछ के बाद छोड़ दिया और उन्हें सख्त चेतावनी दी। उसके खिलाफ अनैतिक देह व्यापार निवारण अधिनियम 1956 की धारा 3, 4, 5 और 7 के तहत मामला दर्ज किया गया। मोहल्ले के लोगों ने बताया कि लंबे समय से महिला के घर में संदिग्ध लोगों की आवाजाही से वे परेशान थे।

पड़कीभाट में कार से बरामद हुए 3 करोड़, 2 लोग हिरासत में

बालोद। कोतवाली थाना क्षेत्र के पड़कीभाट गांव के पास पुलिस ने महाराष्ट्र पासिंग एक कार से 3 करोड़ रुपये नगद बरामद किए हैं। पुलिस ने इस मामले में कार सवार दो लोगों को हिरासत में लिया है। जानकारी के अनुसार कार में सीट के नीचे चैंबर बनाकर पैसा छुपाया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत कार और सवार दोनों की तलाशी ली और बड़ी रकम बरामद की। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हिरासत में लिए गए आरोपियों से पूछताछ जारी है और आगे की जांच के बाद ही मामले का खुलासा होगा।

अमित बघेल की अग्रिम जमानत से पहले हाईकोर्ट में कैविएट दायर

रायपुर। फरार चल रहे छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के अध्यक्ष और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के प्रमुख अमित बघेल की संभावित अग्रिम जमानत याचिका से पहले बिलासपुर निवासी अजय सिदारा द्वारा हाईकोर्ट में कैविएट दायर किया गया है। कैविएट में अदालत से आग्रह किया गया है कि यदि अमित बघेल जमानत के लिए आवेदन करते हैं, तो कोई अंतरिम राहत देने से पहले कैविएटर का पक्ष भी सुना जाए। बता दें कि छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के अध्यक्ष और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के प्रमुख अमित बघेल के द्वारा सिंधी समाज तथा अग्रसेन महाराज पर आपत्तिजनत टिप्पणी की गई थी। जिसे लेकर प्रदेश के अनेक शहरों में उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज है।

उद्योग संगम की चार श्रेणियों में अव्वल रहा छत्तीसगढ़

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ ने एक बार फिर देशभर में अपनी मजबूत पहचान दर्ज कराई है। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग, भारत सरकार द्वारा आयोजित 'उद्योग संगम' में राज्य को बिज़नेस रिफॉर्म एक्शन प्लान की चारों प्रमुख श्रेणियों में 'टॉप अचीवर' घोषित किया गया।

यह उपलब्धि उस परिवर्तन यात्रा की गवाही है जो छत्तीसगढ़ ने बीते वर्षों में तय की है। कभी बीआरएपी रैंकिंग में निचले पायदान पर रहने वाला यह राज्य आज गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे औद्योगिक दिग्गजों के साथ कदम से कदम मिलाकर खड़ा है। सुशासन, पारदर्शिता और उद्योग-अनुकूल नीतियों के बल पर छत्तीसगढ़ ने खुद को सुधार और विकास का नया मॉडल बना दिया है।

राज्य ने अब तक 434 सुधार लागू किए हैं - जो इज ऑफ डूइंग बिजनेस और इज ऑफ लिविंग को सशक्त बनाने की दिशा में उसके निरंतर प्रयासों को दर्शाते हैं।

इन सुधारों में सबसे बड़ी पहल रही 'जन विश्वास अधिनियम', जिसके तहत छत्तीसगढ़ देश का दूसरा राज्य

बना जिसने छोटे कारोबारी अपराधों को डीक्रिमिनलाइज कर दिया। इस कदम ने सरकार और उद्योग जगत के बीच भरोसे और सहयोग का नया पुल बनाया है। राज्य ने भूमि अभिलेखों के स्वचालित म्यूटेशन की ऐतिहासिक शुरुआत की — यह कदम छत्तीसगढ़ को देश का पहला राज्य बनाता है जहाँ जमीन पंजीयन के साथ ही स्वामित्व का हस्तांतरण स्वत: हो जाता है।

राज्य सरकार ने कई और सुधारों को धरातल पर उतारा है — जैसे दुकानों और प्रतिष्ठानों को 24गुना7 संचालन की अनुमति, फ्लैटेड इंडस्ट्री के लिए एफएआर में वृद्धि, भूमि उपयोगिता बढ़ाने हेतु सेटबैक में कमी, और फैक्ट्री लाइसेंस की वैधता 10 से बढ़ाकर 15 वर्ष करने के साथ ऑटो-रिन्यूअल सुविधा।

इन सभी कदमों ने मिलकर राज्य में उद्योगों के लिए एक भरोसेमंद, स्थिर और पारदर्शी वातावरण तैयार किया है।

इन उल्लेखनीय सुधारों के लिए छत्तीसगढ़ के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन और निवेश आयुक्त ऋतु सेन को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सम्मानित किया। यह सम्मान इस बात का प्रतीक है कि छत्तीसगढ़ अब भारत के आर्थिक परिदृश्य में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

इन सुधारों का असर निवेश माहौल पर साफ दिख रहा है। बीते दस महीनों में 7.5 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

डॉ आदिल की शादी में बना टेरर का व्हाइट कॉलर मॉड्यूल, 27 से रडार पर

नई दिल्ली (एजेंसियां)। 10 नवंबर को लाल किले के पास हुए विस्फोट के बीज अक्तूबर की 4 तारीख को पड़े थे। उस दिन डॉ आदिल की डॉ रुकैया से हो रही थी। यहीं पर अन्य लोगों से भी मुलाकात हुई। यहीं पर जैश-ए-मोहम्मद का नया वाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल बनाने का आइडिया आया। सुरक्षा एजेंसियों को इसकी भनक 19 अक्टूबर को ही लग गई थी और तभी से यह ग्रुप रडार पर था।

यह नेटवर्क मेडिकल प्रोफेशन और शैक्षणिक संस्थानों की आड़ में काम कर रहा था, और हरियाणा के फरीदाबाद, जम्मू-कश्मीर के पुलवामा और यूपी के सहारनपुर सहित कई इलाकों से जुड़ा था। इसकी शुरुआत 4 अक्टूबर को सहारनपुर में एक शादी से हुई थी। इसके बाद ग्रुप ने फौजियों को धमकाने वाले पोस्टर, हथियार, विस्फोटक और फंडिंग के नेटवर्क तैयार करना शुरू किया।

सुरक्षा एजेंसियों को कश्मीर में 19 अक्टूबर को जैश के पोस्टर दिखे। जांच में सामने आया कि नेटवर्क की सबसे अहम महिला सदस्य डॉ. शाहीन सईद थी। वह जैश सरगना मसूद अजहर की बहन सादिया अजहर से जुड़ी थी।

4 अक्टूबर को सहारनपुर में डॉ. आदिल की शादी डॉ. रुकैया से हुई। शादी में कुछ 'खास मेहमान' शामिल थे। शादी के अगले ही दिन से मॉड्यूल ने काम शुरू कर दिया। इसका मकसद फौजियों को धमकाने वाले पोस्टर लगाना, हथियारों की सप्लाई और पैसों का इंतजाम करना था। डॉ. आदिल लॉजिस्टिक और फाइनेंशियल चैनल संभालता था।

जब कश्मीर के नौगाम इलाके में 19 अक्टूबर को जैश के पोस्टर दिखे तो पुलिस ने केस दर्ज कर लिया। फिर 27 अक्टूबर को 25 से ज्यादा पोस्टर दिखाई दिए। जब 60 सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए तो 31 अक्टूबर को डॉ. आदिल फुटेज में दिखा।

फोन सर्विलांस से पता चला कि वह पाकिस्तानी हैंडलर्स से संपर्क में था। उसकी लोकेशन सहारनपुर मिली और 6 नवंबर को उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से एके-47, ग्रेनेड और विस्फोटक बरामद हुए। फरीदाबाद में पढ़ा रहे डॉ. मुजम्मिल के पास भारी मात्रा में विस्फोटक की जानकारी उसी ने दी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 10 नवम्बर को मुजम्मिल को पकड़ लिया गया।

कश्मीर के पुलवामा जिले के कोइल गांव के दो युवक, डॉ. मुजम्मिल और डॉ. उमर नबी, साथ पढ़े और डॉक्टर बने। बाद में दोनों ही आतंक की राह पर चल पड़े।

अहम कड़ी थी डॉ. शाहीन

नेटवर्क की सबसे अहम सदस्य डॉ. शाहीन सईद है। वह जैश सरगना मसूद अजहर की बहन सादिया अजहर के सीधे संपर्क में थी और महिला आतंकी विंग 'जमात उल मोमिनात' से जुड़ी थी। शाहीन ने इलाहाबाद मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस किया था और कानपुर मेडिकल कॉलेज में 7 साल असिस्टेंट प्रोफेसर रही। 2021 में वह गायब हो गई। डॉ. मुजम्मिल के संपर्क में आने के बाद पाकिस्तानी हैंडलर से जुड़ी और महिलाओं को कट्टरपंथ की राह पर लाने लगी।

गुजरात की केमिकल फैक्ट्री में धमाका; तीन की मौत, 24 घायल

भरूच (एजेंसी)। गुजरात में भरूच जिले के इंडस्ट्रियल एरिया जीआईडीसी में मंगलवार देर रात एक कंपनी में विस्फोट से तीन लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 24 कर्मचारी घायल हो गए। घायलों को भरूच के अलग-अलग अस्पतालों में एडमिट करवाया गया है। इनमें 4-5 कर्मचारियों की हालत गंभीर है।

सायखा गांव के पास जीआईडीसी की विशाल फार्मा नाम की कंपनी में रात करीब ढाई बजे बॉयलर फट गया, जिससे प्लांट में आग लग गई। विस्फोट इतना तेज था कि आसपास की 4 कंपनियों को भी नुकसान पहुंचा। हादसे में तीन कर्मचारियों की मौके पर ही मौत हो गई थी।

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की 6 टीमें मौके पर पहुंचीं। घटनास्थल पर बचाव और राहत कार्य जारी है और मलबे को हटाने के साथ-साथ मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका को देखते हुए तलाशी अभियान जारी है।

बगैर अनुमति के चल रही है कंपनी: सरपंच

सायखा गांव के सरपंच जयवीर सिंह ने हादसे को लेकर प्रशासन और कंपनी के मालिकों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जयवीर का कहना है कि यह कंपनी बिना किसी अनुमति के चल रही है। फिर भी प्रशासन की ओर से कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में 2 दवा कंपनियां ब्लैक लिस्ट, तीन दवाइयां अमानक मिली

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड ने दवा गुणवत्ता में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की है। कॉरपोरेशन ने तीन दवाओं को अमानक (नॉट ऑफ स्टैंडर्ड क्वालिटी) पाए जाने के बाद संबंधित कंपनियों को तीन साल के लिए ब्लैकलिस्ट कर दिया है।

मेसर्स एजी पैरेंटेरल्स, विलेज गुग्गरवाला, बद्दी (हिमाचल प्रदेश) की सप्लाई की गई कैल्शियम (एलिमेंटल) विद विटामिन डी-3 टैबलेट्स, ऑर्निडाजोल टैबलेट्स, ये सभी सरकारी परीक्षण में अमानक पाए गए।

इसी तरह, मेसर्स डिवाइन लेबोरेट्रीज प्रा. लि., वडोदरा (गुजरात) की सप्लाई की गई हेपारिन सोडियम 1000 इंजेक्शन भी एनएबीएल प्रयोगशाला और सेंट्रल ड्रग्स लेबोरेट्री , कोलकाता में परीक्षण के दौरान अमानक पाए गए।

इन तीनों उत्पादों को निविदा शर्तों के अनुरूप तत्काल प्रभाव से तीन सालों की अवधि तक ब्लैकलिस्ट किया गया है। ब्लैक लिस्टिंग अवधि खत्म होने तक ये कंपनियां किसी भी नई निविदा में भाग नहीं ले सकेंगी।

सभी कार्रवाई सीडीएससीओ, ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 और नियम 1945 के प्रावधानों के अनुरूप की गई है ताकि केवल गुणवत्तायुक्त दवाएं ही मरीजों तक पहुंचे।

जिले में 11 दिन में 7वीं हत्या, पीट-पीट कर मार डाला

- दुर्ग जिले के अंडा गांव में हुई वारदात
- तीन संदेहियों को हिरासत में लेकर पुलिस कर रही पूछताछ
- हत्या की लगातार हो रही वारदातों ने उड़ाई पुलिस की नींद

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। दुर्ग जिले में हत्या के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे। बीती रात जिले के अंडा थाना क्षेत्र में एक युवक की पीट पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक ओंकार सिन्हा (25) पान ठेला चलाता था। पुलिस ने तीन संदेहियों को हिरासत में लिया है। पिछले 11 दिन में जिले में हत्या की यह सातवीं वारदात है।

जानकारी के अनुसार बीती रात पान ठेला व्यवसायी युवक ओंकार सिन्हा के साथ आरोपियों का दो हजार रुपए की लेनदेन को लेकर विवाद हुआ था। अंडा थाना प्रभारी ने बताया कि ओंकार ने अजीत ढीमर से 2000 रुपए उधार लिये थे। घटना के समय अजीत ढीमर, चेतन ढीमर और उसका भांजा नरेश तीनों ने मृतक से पैसे वापस मांगने लगे। आरोपियों ने ओंकार के मोबाइल पर भड़काने वाला मैसेज भी भेजा। मैसेज ओंकार भड़क गया और शीतला तालाब के पास खड़े आरोपियों के पास पहुंच गया। वहां देर रात इनका विवाद हुआ। आरोपियों ने ओंकार की जमकर पिटाई कर दी। ओंकार की हालत खराब होता देख उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां उसकी मौत हो गई। परिजनों की शिकायत के बाद तीनों आरोपियों को हिरासत में मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

गौरतलब रहे कि पिछले लगभग सवा महीने के भीतर ही दुर्ग जिले में हत्या की 20 वारदात हो चुकी है। इसमें नवंबर के चालू महीने में ही 11 दिन के अंदर हत्या की यह सातवीं वारदात है। इस तरह की खूनी वारदातों को रोकने दुर्ग पुलिस लगातार कवायद में जुटी हुई है। बावजूद इसके एक के बाद एक हो हत्या की वारदातों से एक तरफ जहां पुलिस महकमा हलाकान है वहीं आम लोगों में भी इस तरह की वारदातों से खौफ पसर गया है।

क्या फायदा ऐसी शिक्षा का

दिल्ली में सोमवार शाम को हुए धमाके के बाद यह सवाल रह-रह कर मन को कचोट रहा है कि आखिर शिक्षा का क्या फायदा? माना जाता था कि कम उम्र के किशोर और अनपढ़ लोग ही धर्मगुरुओं के झांसे में आ जाते हैं. पर इस घटना ने साफ कर दिया कि एमबीबीएस डाक्टर भी धर्मांध हो सकते हैं. आखिर चाहती क्या है यह जमात? लड़ भिड़कर भारत के दोनों बाजू में कोलकी समान दो देश ले तो लिया था. उस समय खुशियां भी मनाई थी कि उन्हें उनका देश मिल गया. पर जैसे-जैसे वक्त बीतता गया बांग्लादेश की नदियां गटर बन गईं. पाकिस्तान की खुशहाली को सैन्य आकाओं की खुदगर्जी निगल गई.

फटेहाली में आज जब उनके आका हिन्दुस्तान की खुशहाली को देखते हैं तो उनके सीने पर सांप लोटने लगता है. वो अच्छे से जानते हैं कि न तो कभी कश्मीर उनका हो सकता है और न ही वो कभी हिन्दुस्तान को घुटनों पर ला सकते हैं. वो तो बस ऐसी हरकतें करते रहना चाहते हैं जिससे यहां की खुशहाली कुछ कम हो. हिन्दू तो हिन्दू, भारत का खुशहाल मुसलमान भी उसकी आंखों में खटकता है. पर इतनी गूढ़ बातें वो लोगों को समझाएं भी तो कैसे? कैसे अपनी भड़ास निकालें? कैसे बताएं कि उनकी फटेहाली के लिए वो खुद जिम्मेदार हैं? इसलिए कभी उन्हें जन्नत की हूरों का लालच देते हैं तो कभी काफिरों के सफाए से अल्लाह के खुश होने की बात करते हैं. जिनके लिए ये फतवे ही सबकुछ हैं उनकी शिक्षा किसी काम की नहीं.

दिल्ली हादसे में शामिल पाए गए डाक्टरों की हरकतें बताती हैं कि उन्हें न तो शिक्षा से मतलब है, न करियर से. उन्हें तो वह शपथ तक याद नहीं जो उन्होंने डाक्टर होने के बाद ली थी. जाहिर है कि उनके लिए इस्लाम की इस सबसे बड़ी सीख का कोई अर्थ नहीं है कि मुसलमान जुबान का पक्का होता है. अन्यथा लोगों की जान बचाने की शपथ लेने वाला यूं कत्लेआम की फिराक में तो कतई नहीं रहता. संभावना जताई जा रही है कि यह विस्फोटक उत्तर प्रदेश के किसी बड़े शहर को नेस्तनाबूद करने के लिए ले जाया जा रहा था. पर ऊपर वाले की लाठी में आवाज नहीं होती. जो दूसरों का बुरा सोचता है, अक्सर ऊपर वाला उसका ही बुरा कर देता है.

कोई भी प्रकृति के न्याय से ऊपर नहीं है. बेहतर हो कि दुनिया की तरक्की देखकर केवल जलने भुनने के बजाय उनके आका कुछ परिवर्तन अपने समाज में लेकर आएं. लोगों का बताएं कि यह खुशहाली तभी आ सकती है जब परिवार में स्त्री और पुरुष दोनों की बराबर की भूमिका हों. बच्चों को बेहतर तालीम देकर अच्छे रोजगार के लिए प्रेरित करें. किसी भी कीमत पर नकारात्मक सोच को खुद पर हावी न होने दें. उन्हें यह समझने की जरूरत है कि दूसरों की लकीर मिटाकर अपनी लकीर लंबी नहीं की जा सकती.

संपादकीय

सड़क दुर्घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट का सख्त रुख

विकास के नाम पर हमने सरपट वाहन दौड़ने वाली सड़कें तो बना दी, लेकिन यह सुनिश्चित नहीं किया कि यात्रा दुर्घटनाओं से निरापद कैसे रहे। यह हृदय विदारक होता है कि सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामियों, ट्रकों की अराजकता तथा राजमार्ग के अवरोधों के चलते परिवार के परिवार असमय काल कवलित हो जाते हैं। तंत्र की चतुराई ये होती है कि मुआवजे और दुर्घटना की फौरी जांच की घोषणा तो कर दी जाती है लेकिन सड़क दुर्घटना के मूल कारणों की तह तक नहीं पहुंचा जाता है। इन हादसों की जवाबदेही तय नहीं की जाती। आए दिन खबर आती है कि तेज गति से आता कोई वाहन सड़क के किनारे खड़े ट्रक से टकरा गया और अनेक निर्दोष लोगों की मौत हो गई। इस संकट की गंभीरता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान के फ्लोदी इलाके में हुए भीषण सड़क हादसे के मामले में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से दो सप्ताह में दुर्घटना के कारणों पर विस्तृत जवाब दाखिल करने के सख्त निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस भीषण दुर्घटना के मामले में स्वत: संज्ञान लेते हुए ये निर्देश दिए हैं। दरअसल, इस दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में हादसे की वजह सड़क के किनारे गलत ढंग से खड़ा ट्रक बना। जिससे यात्रियों से भरा तेज गति से आता एक टेम्पो ट्रेवलर टकरा गया। हादसा इतना भीषण था कि इसमें चार बच्चों तथा दस महिलाओं समेत पंद्रह लोगों की मौत हो गई। कई लोग घायल भी हुए। आमतौर पर किसी भी बड़े हादसे में शिकार हुए यात्रियों की संख्या का ही जिक्र होता है और सरकार मुआवजे की घोषणा करके अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेती है। अधिक से अधिक हमारे विमर्श का मुद्दा यह होता है कि दोषी कौन था? कौन सा ड्राइवर लापरवाही से वाहन चला रहा था, वह नशे में था या उसे नींद की झपकी लग गई। या फिर वाहन में तकनीकी खामी की वजह से हादसा हुआ।

> **आए दिन खबर आती है कि तेज गति से आता कोई वाहन सड़क के किनारे खड़े ट्रक से टकरा गया और अनेक निर्दोष लोगों की मौत हो गई। इस संकट की गंभीरता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान के फ्लोदी इलाके में हुए भीषण सड़क हादसे के मामले में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से दो सप्ताह में दुर्घटना के कारणों पर विस्तृत जवाब दाखिल करने के सख्त निर्देश दिए हैं।**

लेकिन वास्तव में हम उन तकनीकी व वास्तविक खामियों को नजरअंदाज कर देते हैं जो दुर्घटना का कारण बनती हैं। एक ओर जहां सड़क निर्माण में ठेकेदार द्वारा की गई चूक होती हैं, वहीं सड़कों के किनारे बेतरतीब बने ढाबे भी होते हैं, जहां अकसर ट्रक चालक अपने वाहन गलत ढंग से खड़े कर देते हैं। लेकिन हर हादसे में कहीं न कहीं ऐसे कारण जरूर होते हैं, जो दुर्घटना की तात्कालिक वजह बनते हैं। लेकिन अकसर हम उन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे महत्वपूर्ण कारक को अनदेखा करने की वजह से भविष्य में ऐसी ही दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति होने की आशंका बलवती होती है। यह विडंबना ही है कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर जगह-जगह टोल संग्रह केंद्रों के जरिये टैक्स तो खूब वसूले जाते हैं, लेकिन राजमार्गों को दुर्घटनाओं से निरापद बनाने के लिये गंभीर प्रयास नहीं होते। कुकरमुत्तों की तरह सड़कों का अतिक्रमण करते ढाबों पर लगाम नहीं लगायी जाती। गंभीरता से पड़ताल नहीं होती है कि क्या सड़क निर्माण में ठेकेदार ने सभी तकनीकी मानकों का पालन किया है? निश्चित रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की जवाबदेही बनती है कि राजमार्गों को दुर्घटना मुक्त बनाने के लिये नियमित जांच-पड़ताल की जाती रहे। ताकि निर्दोष लोगों के बेमौत मरने का सिलसिला खत्म हो सके। इन विभागों व मंत्रालयों का जिम्मा सिर्फ टोल वसूलना ही नहीं है बल्कि सड़कों को सुरक्षित बनाना भी इनकी जवाबदेही है। निश्चित रूप से सड़क के निर्माण की गुणवत्ता तथा उसे दुर्घटना मुक्त बनाने के लिये उच्च सुरक्षा मानकों का क्रियान्वयन भी उतना जरूरी है। इसके अलावा सख्त कानून व निगरानी के जरिये ट्रकों को सड़क के किनारे खड़े करने पर रोक लगायी जाए। देश में सैकड़ों लोगों की मौत सड़क के किनारे गलत तरीके से खड़े ट्रक से वाहनों के टकराने से होती है, लेकिन दोषी ट्रक चालक को कड़ी सजा नहीं मिलती। वहीं दूसरी ओर वाहन चालकों को भी गति सीमा में रहने तथा अन्य सावधानियों का सख्ती से पालन करना चाहिए। सरकारों का दायित्व भी बनता है कि राजमार्गों पर रफ्तार की सीमा के नियमन के साथ बाधामुक्त सफर भी सुनिश्चित करें।

भारत की श्रम संहिताएं: अनौपचारिकता से समावेशन की ओर

कार्तिक नारायण

जैसे विश्व भर के देश प्रतिभाओं के लिए अपने भीतर देख रहे हैं। ऐसे में भारत को भी औपचारिक, औचित्यपूर्ण और गरिमामय रोजगार पैदा कर आगे बढ़ना होगा। समूची दुनिया में आव्रजन को लेकर चिंता, अर्थव्यवस्थाओं और राजनीतिक व्यवस्थाओं को नया स्वरूप दे रही है। वैश्विक प्रतिभाओं का स्वागत करने वाले देश अब बदल रहे हैं, वे वैश्विक प्रतिभाओं के लिए पुल बनाने के बजाय अवरोध पैदा कर रहे हैं। उन्होंने प्रतिभाओं की तलाश अपने अंदर ही शुरू कर दी है। भारत इस बदलती हुई दुनिया में संपन्नता के लिए सिर्फ प्रतिभाओं के निर्यात पर निर्भर नहीं रह सकता। हमें उत्पादन के साथ ही अवसरों के लिहाज से भी आत्मनिर्भर बनना होगा। इसके जरिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि स्वदेशी प्रगति के साथ ही देश में अच्छे भुगतान वाले, मानकीकृत और गरिमापूर्ण रोजगार पैदा हों।

मार्टिन लूथर किंग ने एक समय कहा था, ''मानवता को ऊपर उठाने वाले हर श्रम की गरिमा और महत्व है। इसे श्रमसाध्य उत्कृष्टता के साथ किया जाना चाहिए।'' भारत की नई श्रम संहिताएं इस आदर्श को जमीन पर उतारने की दिशा में एक कदम हैं। इनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश को बनाने, आगे ले जाने और शक्ति देने वाले लाखों लोग सिर्फ कामगार नहीं हों, बल्कि प्रगति में हिस्सेदार बनें। इन संहिताओं का लक्ष्य अनौपचारिकता को समावेशन, स्वेच्छा को आंकड़ों और असुरक्षा को सुदृश्यता से बदल कर काम की गरिमा बहाल करना है।

भारत का श्रम परिवेश वर्षों से पैबंदों वाली दरी के समान रहा है। देश के 29 श्रम कानून बेशक अच्छे इरादे से लाए गए हों लेकिन सब मिल कर अस्पष्टता पैदा करते रहे थे। इसके परिणामस्वरूप अकुशलता का संतुलन दिखाई पड़ता था। कामगार में असुरक्षा थी और नियोक्ता संदेह में रहते थे। सरकार ने इन कानूनों को वेतन, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल सुरक्षा की चार संहिताओं में पिरो देने का फैसला किया। यह कदम सिर्फ एक प्रशासनिक सुधार नहीं है। आधुनिकीकरण के इस अभियान में स्वीकार किया गया है कि संरक्षण और उत्पादकता को एक साथ मिलकर बढ़ना चाहिए।

इस सुधार का संबंध दृश्यता से है। नियुक्तिपत्र, वेतन की पर्ची और डिजिटल रिकॉर्ड के बिना कामगार, सरकार और बाजार दोनों की ही नजरों से ओझल रहता है। औपचारीकरण इस स्थिति में बदलाव लाता है। लिखित प्रमाण वाला हर रोजगार एक ऐसा जीवन पैदा करता है जिसकी मान्यता हो। हर डिजिटल रिकॉर्ड सामाजिक सुरक्षा से लेकर बीमा और गतिशीलता तक जाने वाला पुल होता है। यह बदलाव नियोक्ताओं को भी अनिश्चितता के बजाय एक ढांचा और स्वेच्छा की जगह आंकड़े प्रदान करता है। नियुक्ति के हर संबंध का रिकॉर्ड हो तो विश्वास को एक बुनियाद मिल जाती है।

वेतन को ही लें। भारत में विभिन्न राज्यों और उद्योगों की अलग-अलग हजारों न्यूनतम मजदूरी दरें थीं। आस-पड़ोस के जिलों के कामगारों तक को एक ही काम के लिए काफी अलग-अलग रकम मिलती थी। वेतन संहिता में मजदूरियों की एक समान परिभाषा के साथ राष्ट्रीय न्यूनतम मजदूरी स्थापित की गई। इसके जरिए सुनिश्चित किया गया कि किसी को भी एक गरिमापूर्ण न्यूनतम सीमा से नीचे मजदूरी नहीं मिले तथा समान कार्य के लिए एक बराबर मजदूरी सिर्फ आडंबर नहीं, बल्कि नियम बन जाए। इससे श्रम के एक से दूसरे स्थान पर गमन में भी मदद मिलती है। इस संहिता ने सुनिश्चित किया कि एक से दूसरे राज्य में जाने वाले मजदूर के वेतन के अधिकार भी उसके साथ चलें।

औद्योगिक संबंध संहिता लचीलेपन और निष्पक्षता के बीच एक समान संतुलन बनाती है। भारत की अर्थव्यवस्था अब विनिर्माण, सेवाओं और तेज़ी से बढ़ते गिग क्षेत्र का मिश्रण है। लॉजिस्टिक्स, खुदरा और निर्माण जैसे कई उद्योग मौसमी माँग और परियोजना-आधारित कार्य के साथ संचालित होते हैं। निश्चित अवधि के अनुबंध अब वैध और मानकीकृत हो गए हैं। अब कंपनियां वेतन या लाभ की समानता से समझौता किए बिना नियुक्ति कर सकती हैं। कर्मचारियों के लिए लचीलेपन का मतलब अब असुरक्षा नहीं है। पुनर्कौशल निधि का निर्माण प्रतिक्रियात्मक कल्याण से सक्रिय रोज़गार की ओर बदलाव का संकेत है। नौकरी छूटने का मतलब अब चट्टान से गिरना नहीं है, यह नया सीखने और पुन: प्रवेश करने का एक सेतु बन जाता है।

सामाजिक सुरक्षा संहिता यह मानती है कि भारत का कार्यबल अब फ़ैक्टरियों तक ही सीमित नहीं है। ड्राइवर, डिलीवरी पार्टनर और फ्रीलांसर जैसे काम डिजिटल अर्थव्यवस्था के नए निर्माता हैं और अब सुरक्षा के दायरे में भी हैं। यह स्वीकार करते हुए कि काम की प्रकृति बदलती रहती है लेकिन सुरक्षा की ज़रूरत नहीं बदलती, नए प्लेटफ़ॉर्म उनके कल्याण के लिए केंद्रीय कोष में योगदान देंगे। स्व-मूल्यांकन, संगठित फाइलिंग और डिजिटल रिकॉर्ड, कागज़ों के ढेर की जगह पारदर्शिता और फाइल का शीघ्र पता लगाने की क्षमता बढ़ाते हैं। इससे अनुपालन सरल हो जाता है और नीति-निर्माण अधिक स्मार्ट हो जाता है।

प्रतिष्ठा और सुरक्षा पर ध्यान देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। संहिता केवल व्यवसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थितियां हेलमेट और रेलिंग लगाने के बारे में ही नहीं बनाई गई हैं। यह कार्यस्थल पर सम्मान के लिए बनाई गई हैं। नियुक्ति पत्र अनिवार्य हो गए हैं, स्वास्थ्य जाँच के मानक बनाये गए हैं और महिलाएँ अब सभी क्षेत्रों और शिफ्टों में काम कर सकती हैं, बशर्ते सुरक्षा उपायों में ऐसा प्रावधान सुनिश्चित किया गया हो जिससे बड़ी संख्या में महिलाएँ कार्यबल में शामिल हो सके। प्रवासी मज़दूर, जिन्हें लंबे समय से अपने ही देश में बाहरी समझा जाता रहा है, अब जहाँ भी वे काम करते हैं, कल्याणकारी लाभ प्राप्त कर सकेंगे। यह समावेशन का वास्तविक रूप कहा जा सकता है।

सरलीकरण को शायद सबसे कम होने वाले लाभ के रूप में आंका गया है। अब 29 की बजाय एक पंजीकरण, एक लाइसेंस, एक रिटर्न भरना है। निरीक्षक अब सुविधा प्रदाता हैं। अनुपालन की बातचीत दंड की बजाए साझेदारी की ओर बढ़ रही है। छोटे उद्यमों के लिए जो भारत के रोज़गार की रीढ़ हैं, उनकी सुविधा के लिए अब अनुमोदन के लिए कम और व्यवसाय निर्माण के लिए अधिक समय है। औपचारिकता सिर्फ कागजी कार्रवाई नहीं है, यह उत्पादकता बढ़ाती है।

कार्यान्वयन में समय लग सकता है। राज्यों को अपने नियमों को एक समान बनाना होगा, डिजिटल प्रणालियों को सुचारू रूप से काम करना होगा, और नियोक्ताओं और श्रमिकों दोनों को एक दूसरे के अनुकूल बनाना होगा। लेकिन दिशा मायने रखती है। ये संहिताएँ एक स्पष्ट संकेत देती हैं। भारत एक ऐसा देश बनना चाहता है जहाँ नौकरियाँ न केवल सृजित हों, बल्कि उनकी गणना भी हो जिनमें लचीलापन और निष्पक्षता हो और जहाँ श्रमिक और नियोक्ता समान भागीदार हों, न कि एक दूसरे के विरोधी।

विश्व भर के देश प्रतिभाओं के लिए अपने अंदर की ओर देख रहे हैं। भारत को अपनी घरेलू श्रम प्रणाली को मज़बूत करना होगा जो पारदर्शी, सुवाह्य और निष्पक्ष हो। इन सुधारों का असली फ़ायदा तब महसूस होगा जब भारत का विकास न केवल ज़्यादा रोज़गारों से, बल्कि बेहतर औपचारिक, उच्च-वेतन और सम्मानजनक रोज़गार से भी प्रेरित हो।

इन सुधारों का अगर सावधानी और निरंतरता के साथ क्रियान्वयन किया जाए, तो ये सुधार भारत की कार्यप्रणाली को नया रूप दे सकते हैं। ये अनौपचारिकता को समावेशिता में और काम को गरिमा में बदल सकते हैं। इसको सही रूप में व्यक्त करने के लिए कर्नाटक के 12वीं सदी के बासवन्ना के इस शाश्वत संदेश कायाकावे कैलासा- काम ही स्वर्ग है से बेहतर शायद ही कोई और विचार हो। उनका आंदोलन मोची से लेकर विद्वान तक, ईमानदारी से किए गए हर पेशे को पवित्र मानता था। नई श्रम संहिताएँ इसी भावना को आगे बढ़ाती हैं कि गरिमा पद में नहीं, बल्कि प्रयास में निहित है। क्योंकि अंतत: सुधार की असली परीक्षा उसके पारित होने में नहीं, बल्कि उसको व्यवहार में लाने पर होती है।

लेखक अपना.को के साथ जुड़े हैं और आजीविका के भविष्य, प्रौद्योगिकी और भारत के श्रम सुधारों पर लिखते हैं।

सेवा क्षेत्र में रोजगार की खराब स्थिति

भारत में सेवा क्षेत्र की केंद्रीय भूमिका है, लेकिन इसके भीतर अधिकांश कर्मियों को रोजगार सुरक्षा या सामाजिक संरक्षण हासिल नहीं है। अर्थव्यवस्था में सबसे ज्यादा योगदान के बावजूद सेवा क्षेत्र के कर्मी निम्न वेतन जाल में फंसे हुए हैं।

नीति आयोग ने समस्या पर रोशनी डाली है, लेकिन ठोस समाधान सुझाने में विफल रहा है। समस्या है सेवा क्षेत्र में रोजगार की खराब स्थिति। आयोग ने कहा है- 'भारतीय आर्थिक ढांचे में सेवा क्षेत्र केंद्रीय स्थल पर है, लेकिन इसके भीतर अनौपचारिक क्षेत्र का हिस्सा बेहद बड़ा है, जहां अधिकांश कर्मियों को रोजगार सुरक्षा या सामाजिक संरक्षण हासिल नहीं है।' अर्थव्यवस्था में सबसे ज्यादा योगदान के बावजूद सेवा क्षेत्र के कर्मी निम्न वेतन जाल में फंसे हुए हैं। सेवा क्षेत्र अर्थव्यवस्था में योगदान 55 फीसदी से अधिक है, मगर यह कुल रोजगार में इसका हिस्सा एक तिहाई ही है- और उसमें भी ज्यादातर कम वेतन वाली और अनौपचारिक नौकरियां हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 2023-24 के अंत तक सेवा क्षेत्र में 18 करोड़ 80 लाख लोगों को काम मिला हुआ था। मगर रोजगार का यह क्षेत्र 'गहरे ढांचागत विभाजन' का शिकार है।

एक तरफ सूचना तकनीक, वित्त, स्वास्थ्य, और पेशेवर सेवाओं में उच्चस्तरीय रोजगार हैं, तो दूसरी ओर अनौपचारिक क्षेत्र है जिसके भीतर 55.7 प्रतिशत कर्मी स्वरोजगार श्रेणी में आते हैं। बिना सामाजिक सुरक्षा वाले वेतनभोगी कर्मियों की संख्या 29 फीसदी है। 9.2 प्रतिशत लोग घरेलू कामकाज में सहायक की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि 6.2 प्रतिशत दिहाड़ी मजदूर हैं। स्पष्ट है, सेवा क्षेत्र ज्यादातर कर्मियों को किसी तरह जीने का सहारा भर दे रहा है। लेकिन उससे ऐसे उपभोक्ता तैयार नहीं हो सकते, जो बाजार का विस्तार करें।

तो आयोग ने कहा है कि सेवा क्षेत्र के लिए नए नीतिगत नजरिए की जरूरत है, जिसका मकसद इस क्षेत्र को औपचारिक रूप देना हो। मगर ऐसा कह भर देने से तो नहीं होगा!

महिलाओं और युवाओं में कौशल विकसित करने, डिजिटल एवं ग्रीन अर्थव्यवस्था की तकनीक में निवेश करते हुए उसके लिए कर्मी तैयार करने, और संतुलित क्षेत्रीय विकास की नीतियां लागू करने जैसे नीति आयोग के सुझाव गौरतलब हैं।

मगर मुद्दा यह है कि ये काम कौन करेगा? क्या सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की जिम्मेदारी निजी क्षेत्र पर डालने के लिए वैधानिक उपायों पर सख्ती से अमल के लिए सरकार तैयार है? क्या इसके लिए सरकार अर्थव्यवस्था में हस्तक्षेप की भूमिका अपनाएगी?

राहुल गांधी न डिगे न फिसले

हरिशंकर व्यास

बिहार के चुनाव में कोई जीते-हारे, पर राहुल गांधी की गूंज बढ़ेगी। राहुल गांधी अब वह चेहरा है जो न केवल निडरता का पर्याय है, बल्कि अकेला चेहरा है, जिससे भारत में विपक्ष जिंदा दिखता है। सोचें राहुल गांधी नहीं होते तो तेजस्वी हों या अखिलेश या कांग्रेस के एक्स-वाई-जेड नेता उनसे मोदी सरकार का क्या बिगड़ना था? तब प्रधानमंत्री मोदी का विरोध तो दूर उन्हें टोकने वाला भी नहीं होता। याद करें कि अरविंद केजरीवाल से ले कर ममता बनर्जी, नवीन पटनायक, वाम मोर्चे के नेताओं के पिछले ग्यारह वर्षों में मोदी सरकार, भाजपा, आरएसएस और हिंदू राजनीति के खिलाफ क्या सुर निकले हैं? जो अखबार-मीडिया कभी प्रधानमंत्रियों याकि वाजपेयी-मनमोहन की सरकारों के खिलाफ गला फाड़ चिल्लाता था वह मोदी राज में कैसा रेंगता हुआ है! लोकतंत्र की तमाम एजेंसियां, अदालत हों या सीएजी या चुनाव आयोग कैसे आज मौन या मिमियाते हुए हैं?

हां, ग्यारह वर्षों में मोदी सरकार ने प्रमाणित किया है कि हिंदुओं से ज्यादा भयाकुल, भूखा, झूठा जनमानस दुनिया में बिरला है। लोगों को झुकने के लिए कहो तो रेंगते हैं और दो हजार, पांच हजार, दस हजार रुपए की रेवड़ियों, सरकारी खैरात में लोकतांत्रिक स्वाभिमान, ईमानदारी को बेच खाते हैं। जुमलों, झांकियों और सरकारी खौफ में कथित पढ़े-लिखे भी वैसे ही हुकूम बजाते हैं, जैसे सदियों पहले अकबर के दरबार या ईस्ट इंडिया कंपनी के हरकारे बन कर बजाते थे।

इस सबके बीच में कौन सी एक बुलंद आवाज है? वे है राहुल गांधी! इसलिए क्योंकि राहुल गांधी बिका नहीं। राहुल गांधी झुका नहीं। राहुल गांधी डरा नहीं। न ही राहुल गांधी भूखा, लालची या भ्रष्ट है तो यह क्या 140 करोड़ लोगों की भीड़ में अनहोनी नहीं?

मैंने वाजपेयी के समय में भी लिखा था (और वह सही हुआ था) तथा मोदी-शाह के समय में भी लिखा है कि वाजपेयी का शाइनिंग इंडिया सोनिया गांधी का अवसर है। ऐसे ही राहुल घर बैठे कहे तब भी देरसबेर निर्भयता के बूते उभरेंगे। वाजपेयी के समय प्रमोद महाजन, जसवंत सिंह, वेंकैया-अनंत-जेटली-सुषमा, ब्रजेश मिश्रा ने अपने-अपने अहंकारों में वाजपेयी में खूब हवा फूंकी, शाईनिंग इंडिया हुआ बताया। सोनिया गांधी के जीरो अवसर। और क्या हुआ? वैसे ही अब अमित शाह, योगी और संघ परिवार नरेंद्र मोदी की झांकियों-लीलाओं में अवतार बूझते हैं। भारत विकसित, आत्मनिर्भर, विश्वगुरू और सुपर पॉवर वाला हो गया है, जबकि जमीनी हकीकत की नोटबंदी से ऑपरेशन सिंदूर की दास्तान का असल भारत अलग ही है।

पर मोदी-शाह की वेस्ट इंडिया कंपनी की वही खूबी है जैसे ईस्ट इंडिया कंपनी के चंद अंग्रेजों (सिर्फ कुछ हजार) ने अपनी भाव-भंगिमा, वेशभूषा, चेहरे की लाली, मुनाफे-व्यापार-पैसे से कभी बंगाल-बिहार-अवध के हिंदुस्तानियों में जादू, तिलिस्म बनाया था। उसी बूते वे फैलते गए तो मोदी राज भी फैला है। 2014 में हल्ला बनाने के नए औजारों जैसे सोशल मीडिया, 3डी होलोग्राफिक रैलियों, नमो रथ तथा छप्पन इंची छाती के जुमलों से शुरू हुआ सिलसिला लगातार चला हुआ है और भक्त माने हुए है कि नरेंद्र मोदी अवतार हैं और उनका कोई विकल्प नहीं है। इस सबके बावजूद विरोध की एक आवाज! और वह राहुल गांधी की! इस आवाज को पिछले ग्यारह वर्षों में खत्म करने के लिए क्या नहीं हुआ? उसे पप्पू करार दिया। कांग्रेस को खत्म करने की हर संभव कोशिश हुई। कांग्रेसियों का दलबदल करा उन्हें मंत्री बनाया। मुकद्दे किए। राहुल गांधी को अभियुक्त बनाया। जेल में डालने के भय से लेकर भगोड़ा करार देने, उन्हें भ्रष्ट, चरित्रहीन करार देने के हर संभव उपाय और प्रचार हुए! बावजूद इसके राहुल गांधी न डिगे न फिसले। सोचे, जहां एक कांस्टेबल या लाठी से अंबानी-अडानी से लेकर अफसर, गरीब-गुरबे सभी घबरा उठते है वही ऐसे समाज में राहुल गांधी का निर्भयी विरोध क्या मतलाब है?

विकास और जलवायु परिवर्तन के बीच संतुलन जरूरी

केएस तोमर

रिपोर्ट ने जो सुझाव दिए हैं उनमें राज्य जलवायु लचीलापन कोष, हर जिले में जलवायु जोखिम मानचित्रण, हरित उद्योगों और कृषि-वानिकी को बढ़ावा तथा डिजिटल तकनीक द्वारा प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली हैं। भारत की विकास यात्रा आज दो विरोधी धाराओं के बीच खड़ी है—एक ओर शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सामाजिक कल्याण में प्रगति और दूसरी ओर जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली विनाशकारी असुरक्षा। केरल, तमिलनाडु, सिक्किम और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्य, जो मानव विकास सूचकांक में देश का नेतृत्व करते हैं, अब इस द्वंद्व के केंद्र में हैं। ऐसे समय में, हिमाचल प्रदेश मानव विकास रिपोर्ट 2025, जिसे संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के साथ तैयार किया गया है, पूरे भारत के लिए एक दिशासूचक दस्तावेज़ के रूप में उभरकर सामने आई है। यह ऐसी पहली रिपोर्ट है, जिसमें मानव विकास को जलवायु जोखिमों के साथ जोड़ा गया है।

हिमाचल ने का मानव विकास सूचकांक 0.78 है, जो राष्ट्रीय औसत 0.63 से अधिक है, लेकिन अब जलवायु संकट इस प्रगति के लिए एक बड़ा खतरा बन गया है, जो न केवल हिमाचल प्रदेश, बल्कि पूरे देश के लिए चेतावनी है। हिमाचल का अनुभव अकेला नहीं है। केरल का सामाजिक मॉडल बाढ़ और तटीय क्षरण से जूझ रहा है। तमिलनाडु के औद्योगिक नगरों पर जलसंकट और प्रदूषण का दबाव है। ओडिशा और गुजरात राज्यों को चक्रवातों और हीटवेव से भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। उत्तराखंड और सिक्किम पर्यटन, जलविद्युत और पर्यावरण संतुलन के बीच झूल रहे हैं। यह सब मिलकर संकेत देते हैं कि भारत का अगला विकास अध्याय केवल आर्थिक नहीं बल्कि जलवायु-सक्षम मानव विकास का होना चाहिए।

रिपोर्ट में, हिमाचल की बुजुर्ग होती आबादी, युवाओं का पलायन, जल संकट और आपदाएं—को चिन्हित किया गया है। देश-भर में बुजुर्गों का प्रतिशत 2050 तक 20 प्रतिशत तक पहुंच सकता है, जिससे वृद्ध स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सुरक्षा का दबाव बढ़ेगा। खेती की घटती आय और सीमित औद्योगिकीकरण युवाओं को गांवों से शहरों की ओर धकेल रहा है। यह पलायन, हिमाचल की तरह, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को कमजोर बना रहा है। वहीं, पंजाब के सूखते भूमिगत जल, महाराष्ट्र के मराठवाड़ा की सूखे से जूझती जमीन, गंगा बेसिन का प्रदूषण और हिमाचल की सूखती धाराएं—सभी एक ही कहानी कहते हैं। इसके लिए समाधान स्थानीय स्तर पर होने चाहिए।

शहरी दबाव के चलते जहां शिमला, सोलन और मंडी जैसे शहर कचरा, ट्रैफिक और आवासीय दबाव से त्रस्त हैं, वहीं बेंगलुरु, पुणे और गुवाहाटी जैसे महानगर भी इसी असंतुलन के शिकार हैं। इसके लिए एकीकृत शहरी नियोजन और पर्यावरण-संवेदनशील निर्माण नीति की जरूरत है।

पिछले पांच वर्षों में हिमाचल को आपदाओं से लगभग 46,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है, जो राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 4 प्रतिशत है। वर्ष 2023 में भारत-भर में 2,800 से अधिक लोगों की मृत्यु और 1.4 लाख करोड़ की क्षति जलवायु-जनित घटनाओं से हुई। हिमाचल का 75,000 करोड़ रुपये का ऋण बोझ यह दर्शाता है कि छोटे राज्यों की वित्तीय स्थिति कितनी नाजुक है। रिपोर्ट ने ग्रीन बॉन्ड, आपदा बीमा और कार्बन क्रेडिट जैसे उपाय सुझाए हैं। गुजरात ने पहले ही हरित ऊर्जा बॉन्ड जारी किए हैं और ओडिशा ने अपने बजट में जलवायु व्यय को शामिल किया है। हिमाचल का यह दृष्टिकोण बताता है कि हर राज्य यदि अपनी वित्तीय नीति को हरित और लचीला बनाए तो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन संभव है। हिमाचल की सबसे बड़ी ताकत उसका सामाजिक समावेशन है। 58 प्रतिशत पंचायत सीटें महिलाओं के पास हैं, जिससे नीतिगत निर्णयों में लैंगिक दृष्टिकोण जुड़ गया है। अनुसूचित जाति-जनजाति समुदायों के लिए लक्षित योजनाएं और सार्वभौमिक स्वास्थ्य एवं शिक्षा सेवाएं इसे एक मानव-केंद्रित शासन मॉडल बनाती हैं। यही समावेशन केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों की सफलता का भी आधार है। भारत के सुरक्षित भविष्य के लिए यह मॉडल राष्ट्रीय स्तर पर अपनाया जाना चाहिए।

रिपोर्ट ने जो सुझाव दिए हैं उनमें राज्य जलवायु लचीलापन कोष, हर जिले में जलवायु जोखिम मानचित्रण, हरित उद्योगों और कृषि-वानिकी को बढ़ावा तथा डिजिटल तकनीक द्वारा प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली हैं। हिमाचल का अनुभव बताता है कि पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन, बागवानी और जैविक खेती न केवल रोजगार दे सकते हैं बल्कि पारिस्थितिकी की रक्षा भी करते हैं। इसे सिक्किम, मेघालय और नागालैंड जैसे राज्यों ने सफलतापूर्वक अपनाया है।

भारत जब सतत विकास लक्ष्यों और 2070 तक नेट-ज़ीरो उत्सर्जन के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, तब मानव विकास और जलवायु अनुकूलन का एकीकरण नीति का मुख्य आधार होना चाहिए। हिमाचल की नीतियां, जो सामाजिक कल्याण को पर्यावरणीय आचार-संहिता से जोड़ती हैं, अन्य राज्यों के लिए आदर्श बन सकती हैं। केंद्र सरकार की मिशन लाइफ पहल तभी सार्थक होगी जब हिमाचल जैसे राज्यों के उदाहरण उसे जमीनी ताकत दें।

हिमाचल प्रदेश मानव विकास रिपोर्ट 2025 बताती है कि शिक्षा, समानता और पर्यावरण-संवेदनशील शासन के सहारे सीमित संसाधनों में भी चमत्कारिक परिणाम हासिल किए जा सकते हैं।

लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

घर-घर पहुंचकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र का वितरण

दुर्ग। अर्हता तिथि 01.01.2026 के संदर्भ में निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) संबंधी कार्यक्रम प्रगति पर है। विधानसभावार बीएलओ द्वारा संबंधित क्षेत्र के मतदाताओं को घर-घर जाकर गणना प्रपत्र का वितरण कर आवश्यक जानकारी पोर्टल पर अपलोड की जा रही है। 04 नवबंर से 04 दिसंबर 2025 तक घर-घर जाकर गणना का चरण होगा। 09 दिसंबर 2025 को मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन, 09 दिसंबर 2025 से 08 जनवरी 2026 तक दावा आपत्ति की कार्यवाही साथ ही 09 दिसंबर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक नोटिस चरण (सुनवाई और सत्यापन) रहेगा तथा 07 फरवरी 2026 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन होगा।

प्लेसमेंट कैम्प कल, 104 पदों पर होगी भर्ती

दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र मालवीय नगर चौक दुर्ग में 13 नवंबर 2025 को प्रात: 10.30 बजे से प्लेसमेंट केम्प का आयोजन किया जाएगा। कैम्प में चौहान इन्टरप्राइजेस दुर्ग, के 04 पद (अकाउन्टेंट के 2 पर, मार्केटिंग मैनेजर के 2 पद), स्क्रेयर बिजनेस सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के 100 पद (कस्टमर केसर एक्सक्यूटिव), इस प्रकार कुल 104 रिक्त पदों हेतु भर्ती प्रक्रिया की जायेगी। उक्त सभी पदों हेतु वेतन 12 हजार से 30 हजार रूपए तक है, तथा 12वी, बी.ई. बी.टेक., एवं कोई भी स्नातक शैक्षणिक योग्यताधारी आवेदक उक्त प्लेसमेंट कैम्प में सम्मिलित हो सकतें है।

सहायिका पद हेतु दावा आपत्ति आमंत्रित 20 नवंबर तक

दुर्ग। एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय दुर्ग (शहरी) द्वारा आं.बा. केन्द्र- शिवपारा केन्द्र कं. 03 वार्ड क्रमांक 34 में 01 सहायिका पद के नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया था। मूल्यांकन समिति द्वारा बैठक में लिए गए निर्णय अनुसार 20 नवंबर 2025 तक दावा आपत्ति आमंत्रित किए गए है। तथा दावा आपत्ति हेतु प्राप्त आवेदनों की अनन्तिम सूची परियोजना कार्यालय एवं नगर पालिक निगम दुर्ग के सूचना पटल पर अवलोकन हेतु चस्पा की गई है। उक्त दर्शित अवधि में कार्यालय परियोजना अधिकारी, एकीकृत बाल विकास परियोजना दुर्ग शहरी में कार्यालयीन समय पर प्रस्तुत दावा-आपत्ति ही मान्य की जायेगी।

बाल दिवस : बघेरा स्कूल में 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अंतर्गत अभिव्यक्ति कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार और जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी के मार्गदर्शन में 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान' के अंतर्गत बाल दिवस के उपलक्ष्य में अभिव्यक्ति कार्यक्रम का आयोजन शासकीय हायर सेकेंडरी विद्यालय बघेरा में किया गया।

कार्यक्रम के दौरान नवम्बर माह की थीम मैं भविष्य में क्या बनना चाहती हूँ पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और आत्मविश्वास के साथ अपने भविष्य के सपनों को व्यक्त किया। किसी छात्रा ने प्रशासनिक अधिकारी बनकर राष्ट्र सेवा की इच्छा जताई, तो किसी ने तकनीकी क्षेत्र में योगदान देते हुए आईआईटी अभियंता बनने का लक्ष्य बताया। सभी प्रतिभागियों ने दृढ़ संकल्प और निडरता के साथ अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की बात कहीं।

कार्यक्रम में छात्राओं ने बताया कि

उनके गुरुजनों के मार्गदर्शन से उन्हें अपने जीवन के लक्ष्य निर्धारित करने में सहायता मिली। वक्ताओं ने कहा कि विद्यालय किसी भी राष्ट्र के विकास का प्रमुख स्तंभ है, क्योंकि बच्चे ही देश का भविष्य हैं। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की शुरुआत विद्यालयों से ही करनी होगी।

टीम ने महिला सशक्तिकरण केंद्र, 181 महिला हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1930 साइबर सुरक्षा, बाल विवाह, पॉक्सो अधिनियम तथा सखी वन स्टॉप सेंटर से संबंधित जानकारी भी छात्राओं को प्रदान की। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली बालिकाओं को सम्मानित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दी गईं।

कार्यक्रम में शाला प्राचार्य श्री जी. एस. बछोर, जिला महिला सशक्तिकरण केंद्र से जेंडर विशेषज्ञ लक्ष्मीकांत यादव, शिल्पी उपाध्याय (वित्तीय साक्षरता एवं समन्वयक विशेषज्ञ), रत्ना पाध्ये (परामर्शदाता, आईसीपीएस), सखी वन स्टॉप सेंटर से पैरालीगल कर्मी देवलता तिवारी, प्रियंका शर्मा (पुलिस विभाग), विद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारी उपस्थित थे।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र ने छात्राओं को बांटी साइकिलें

शासकीय उरला स्कूल में चार अतिरिक्त कक्षों के निर्माण की भी घोषणा

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव आज शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उरला स्कूल पहुंचे, जहां उन्होंने मुख्यमंत्री सरस्वती सायकल योजना के तहत 9वीं कक्षा की नवप्रवेशी छात्राओं को सायकल वितरित की।

इस अवसर पर मंत्री श्री यादव ने कहा कि हम राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आव्हान किया कि वे बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा रचित वंदे मातरम् गीत को पूरा गाने की प्रेरणा लें। उन्होंने कहा कि अधूरा ज्ञान बहुत खतरनाक होता है और आश्वासन दिया कि आने वाले समय में सभी स्कूलों में पूरा राष्ट्रीय गीत गाया जाएगा।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव ने कहा कि आने वाले समय में दुर्ग शहर के सभी 71 स्कूलों में आवश्यक मूलभूत सुविधाएँ जैसे पंखे, लाइट, आरओ पानी और कक्षाओं की पेंटिंग उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके। उन्होंने कहा कि शिक्षा हमें आगे ले जाती है, जो आज पढ़ेगा वही जीवन में आगे बढ़ेगा। मेहनत करने वाला

ही ऊँचाइयों को छूता है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन और निरंतर प्रयास पर बल देते हुए सफलता की राह पर अग्रसर रहने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री यादव ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय वार्ड 57 उरला में चार अतिरिक्त कक्षों के निर्माण की घोषणा की और पांच हजार रूपए स्वेच्छानुदान दिया। साथ ही 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत स्कूल परिसर में पौधारोपण किया। शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 40 छात्राओं तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उरला में 51 छात्राओं को सायकल वितरित किया गया। इस अवसर पर शिक्षा अधिकारी श्री अरविंद मिश्रा, प्राचार्य सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

पेंशनरों की सुविधा हेतु डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान 4.0 हुआ लागू

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन वित्त विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में पेंशनरों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान 4.0 का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करने हेतु जिले के समस्त प्रमुख बैंकों को दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इस संबंध में जिला कोषालय, दुर्ग द्वारा भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, इंडियन बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, बैंक ऑफ बड़ौदा, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक तथा ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स की मुख्य शाखाओं को पत्र प्रेषित किया गया है।

डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान 4.0 का उद्देश्य पेंशनरों के लिए जीवन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया को और अधिक सरल, पारदर्शी और डिजिटल बनाना है। यह संस्करण फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक पर आधारित है, जिसके माध्यम से पेंशनर अपने मोबाइल फोन या कंप्यूटर से घर बैठे ही जीवन प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी ने पेंशनरों से इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की है। बैंकों से भी अनुरोध किया गया है कि वे अभियान से संबंधित दिशा-निर्देशों के अनुसार आवश्यक कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करें।

डाक्टरों ने बचाई मासूम की जान खिलौनों की सुरक्षा पर भी सवाल

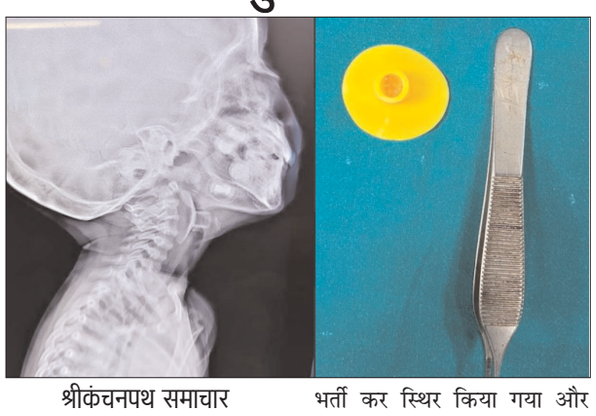

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। बीते शनिवार की शाम जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र, भिलाई में एक तीन वर्षीय मासूम की जान बचाने की जद्दोजहद ने सभी का दिल दहला दिया। बच्चे के वोकल कोर्ड (स्वरयंत्र) में खिलौने का एक पुर्जा फंस जाने से उसकी सांस रुक गई थी। घरवाले घबराए हुए उसे लेकर चिकित्सालय पहुँचे और फिर शुरू हुआ समय के साथ एक जंग, जहाँ हर सेकंड कीमती था।

आपातकालीन विभाग में जांच के बाद पता चला कि बच्चे के श्वसन मार्ग में एक सक्शन कप एरोहेड टिप (जो आमतौर पर तीर-कमान सेट खिलौने का हिस्सा होती है) फंसी हुई थी। यह वस्तु बच्चे की जान के लिए सीधा खतरा बन चुकी थी। बिना देर किये उसे पीडियाट्रिक आईसीयू में भर्ती कर स्थिर किया गया और ईएनटी आपातकालीन ऑपरेशन थियेटर ले जाया गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. विनीता द्विवेदी के मार्गदर्शन में डॉ. तनुजा और डॉ. अबानी ने अत्यंत नाजुक स्थिति में बच्चे के श्वसन नियंत्रण और एनेस्थेटिक प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाली। इस बीच डॉ. अश्विन अशोक जैसवाल के नेतृत्व में डॉ. प्रियंका, डॉ. रौशन और डॉ. गिरिधर के सहयोग से, डॉ. प्राची मेने के पर्यवेक्षण में बाह्य वस्तु को सावधानीपूर्वक बाहर निकाला गया। बच्चे की सांसें सामान्य होने लगीं और माता-पिता की आँखों से राहत के आँसू बह निकले।

चिकित्सकों ने पालकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों के लिए खिलौना चुनते समय सावधानी बरतें तथा बच्चे पर भी नजर रखें।

शांतिनगर में प्रस्तावित रोड निर्माण का आयुक्त ने किया स्थल निरीक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई जोन-2 वैशाली नगर अंतर्गत छावनी प्रस्तावित गौ माता चौंक निर्माण, अवैध दुकान एवं बसाहट, शांति नगर में प्रस्तावित रोड निर्माण सहित उद्यान का निरीक्षण आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया।

जोन क्रमांक-2 वैशाली नगर अंतर्गत छावनी चौंक में गौ माता चौंक का निर्माण कार्य प्रस्तावित है, उक्त स्थल का निरीक्षण निगम आयुक्त एवं जोन आयुक्त येशा लहरे द्वारा किया गया। चौक निर्माण हेतु सक्षम स्वीकृति प्राप्त होने पश्चात निर्माण कार्य कराया जायेगा। गौ माता चौक निर्माण के समीप अवैध दुकान एवं बसाहट है। जिन्हे हटाने सहायक राजस्व अधिकारी शरद दुबे को निर्देशित किये है। वार्ड क्रमांक 14 शांति नगर में प्रस्तावित नवीन रोड निर्माण कार्य होना है, उक्त स्थल का आयुक्त एवं वार्ड पार्षद अभिषेक मिश्रा द्वारा स्थल अवलोकन किया गया। रोड निर्माण हेतु सक्षम स्वीकृति प्राप्त होने एवं निविदा प्रक्रिया के माध्यम से निर्माण कार्य कराया जायेगा।

आयुक्त ने शांति नगर दशहरा मैदान के समीप उद्यान का अवलोकन कर बच्चो के मनोरंजन के लिए लगाये गये झूला, फिसलफट्टी एवं अन्य खेल उपकरण टूटा हुआ है, संधारण कराने जोन आयुक्त को निर्देशित किये है। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता अरविंद शर्मा, उप अभियंता चंदन निर्मल उपस्थित रहे।

एसआईआर गणना पत्रक वितरण की समीक्षा की गई

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा घोषित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) संबंधी कार्यक्रम के तहत् निर्धारित तिथि तक कार्य पूर्ण किया जाना है। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सभी ईआरओ/एईआरओ, सभी नगर निगम आयुक्त, सभी सीएमओ नगर पालिका/ नगर पंचायत और सर्व सीईओ जनपद पंचायत की बैठक में जिले में एसआईआर की प्रगति और गणना प्रपत्र वितरण की विधानसभावार समीक्षा की।

उन्होंने अधिकारियों को अवगत कराया कि जिले के 70 प्रतिशत

मतदाताओं का बीएलओ द्वारा पूर्व में 2003 की मतदाता सूची से मिलान किया जा चुका है। इन मतदाताओं से गणना प्रपत्र भरवाया जाना है। जिन लोगों की पिछले एसआईआर (जो 2003 में बनाई गई थी) में नाम है, ऐसे मतदाताओं को 2003 की मतदाता सूची में नाम का क्रम बताना है व जिसका नाम 2003 की सूची में नहीं है उन्हें आवश्यक दस्तावेज गणना प्रपत्र के साथ प्रस्तुत करना होगा।

उन्होंने गणना प्रपत्र भरने के प्रक्रिया की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। प्रत्येक मतदाता को 2 गणना प्रपत्र उपलब्ध कराया जाएगा। एक वह स्वयं अपने पास रखेगा व एक गणना प्रपत्र भरकर बीएलओ को वापस करेगा।

दोनों प्रपत्रों में स्वयं की एक-एक रंगीन पासपोर्ट फोटो चस्पा करना होगा। भरे हुए गणना प्रपत्र को बीएलओ द्वारा क्यूआर कोड के माध्यम से पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि गणना प्रपत्र भरने के बाद यदि मतदाता उपस्थित नहीं है तो घर के कोई भी अन्य सदस्य उसके बदले प्रपत्र पर हस्ताक्षर कर सकता है। कलेक्टर ने कहा कि गणना प्रपत्र वितरण एवं प्राप्त करने के काम में समय लग सकता है, लेकिन कार्य के प्रति किसी भी प्रकार की कौताही अक्षम्य होगी।

बीएसपी में वेंडर अजा-जजा डेवलसपमेंट प्रोग्राम

ई-निविदा पोर्टल के साथ ही उन्हें दी गई निविदा प्रक्रिया की जानकारी

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के सामग्री प्रबंधन विभाग द्वारा एसटी/एससी श्रेणी के विक्रेताओं के लिए 07 नवम्बर, 2025 को एक वेंडर डेवलपमेंट कार्यशाला का आयोजन इस्पात भवन में किया गया। कार्यक्रम में लगभग 26 विक्रेताओं ने ऑनलाइन (जूम मीटिंग) माध्यम से भाग लिया। वेंडर डेवलपमेंट सेल के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

कार्यशाला का उद्देश्य एसटी/एससी वर्ग के उद्यमियों एवं विक्रेताओं को भिलाई इस्पात संयंत्र के ई-निविदा पोर्टल से जोड़ना, उन्हें निविदा प्रक्रिया की

जानकारी देना तथा उनके व्यवसायिक विकास को प्रोत्साहित करना था।

इस अवसर पर ई-निविदा पोर्टल पर एक संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण दिया गया, जिसमें निविदा के लिए लॉगिन करने, निविदा भरने की प्रक्रिया तथा तकनीकी पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी गई। प्रतिभागियों के प्रश्नों के समाधान हेतु इंटरएक्टिव सेशन भी आयोजित किया गया, जिसमें विक्रेताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

विभागीय अधिकारियों ने प्रतिभागियों से अपील की कि वे बीएसपी के साथ अधिकाधिक व्यापारिक अवसरों का लाभ लें तथा सरकारी योजनाओं के अंतर्गत उपलब्ध सुविधाओं का पूर्ण उपयोग करें।

कार्यक्रम का संचालन वेंडर हेल्प डेस्क की उपासना देशमुख, सृष्टि पुरबिया एवं संदीप कुमार द्वारा किया गया व कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

प्रतिभागियों ने भिलाई इस्पात संयंत्र के इस पहल की सराहना की और भविष्य में इस प्रकार के प्रशिक्षण एवं संवाद कार्यक्रमों के निरंतर आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की।

आंगनबाड़ी सहायिका हेतु आवेदन 24 नवंबर तक

दुर्ग। एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई 02 के अंतर्गत नगर पालिका परिषद् के देवनगर जामुल वार्ड क्र. 17 में नवीन स्वीकृत आंगनबाड़ी केन्द्र हेतु आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद पर भर्ती किया जाना है। उक्त पद पर 24 नवंबर 2025 तक एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय भिलाई 02, जिला दुर्ग, नगर पालिक निगम भिलाई चरोदा रोड भिलाई 03 में सीधे अथवा पंजीकृत डॉक द्वारा कार्यालयीन समय 10 से 5.30 बजे तक (शासकीय अवकाश को छोड़कर) आवेदन जमा किया जा सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

आवेदन किये जाने हेतु शासन द्वारा निर्धारित आवश्यक गाईडलाईन के तहत आवेदिका की आयु 18 से 44 वर्ष के मध्य होनी चाहिए (एक वर्ष या अधिक सेवा का अनुभव रखने वाली कार्यकर्ता/सहायिका/सह-सहायिका/संगठिका को आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट दी जाएगी)। आवेदिका उसी वार्ड की स्थायी निवासी होनी चाहिए जिस वार्ड में आंगनबाड़ी केन्द्र स्थित है। निवासी होने के प्रमाण में ग्राम की अद्यतन मतदाता सूची में दर्ज नाम एवं नगरीय क्षेत्र में होने पर संबंधित वार्ड की अद्यतन मतदाता सूची में नाम दर्ज हो तो आवेदन पत्र में उसके क्रमांक का उल्लेख कर प्रतिलिपि लगाई जाए अथवा ग्राम पंचायत के सरपंच तथा सचिव द्वारा संयुक्त हस्ताक्षरित अथवा पटवारी तथा नगरीय निकायों में वार्ड पार्षद अथवा पटवारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र मान्य होगा।

Since 1972
CROWN® TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

दिल्ली धमाके के बाद एयरपोर्ट और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों की सुरक्षा बढ़ी

रायपुर। दिल्ली में सोमवार देर शाम हुए भीषण विस्फोट के बाद राजधानी रायपुर में स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट में सुरक्षा जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान डॉग स्क्वॉड की टीम ने पूरे एयरपोर्ट परिसर की गहन तलाशी ली। अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। वहीं, सुरक्षा एजेंसियों ने रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और शहर के अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर भी सख्त निगरानी शुरू कर दी है। एसएसपी ने सभी थाना प्रभारियों को चौकसी बढ़ाने और 24 घंटे गश्त (पेट्रोलिंग) जारी रखने के निर्देश दिए हैं। साथ ही बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड को हर समय तैयार रहने को कहा गया है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके।

सुकमा में महतारी वंदन पर हो रहा युद्धस्तर पर काम

सुकमा। जिले में महतारी वंदन योजना को धरातल पर उतारने के लिए जिला प्रशासन युद्धस्तर पर जुट गया है। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के कुशल नेतृत्व में, योजना के हितग्राहियों का ई-केवाईसी कार्य एक अभियान के तौर पर चलाया जा रहा है, ताकि हर पात्र महिला तक योजना का लाभ पहुंच सके। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के स्पष्ट निर्देशों के तहत कर्मचारी दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। डोर-टू-डोर सर्वे के माध्यम से महिलाओं के घर जाकर उनका सत्यापन कर रहे हैं। यह पूरी प्रक्रिया सीएससी एवं बीएलई संचालकों द्वारा पूरी तरह निःशुल्क की जा रही है।

जीपीएम जिले के सात बीएलओ को कारण बताओ नोटिस

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य के दौरान लापरवाही बरतने वाले सात बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) पर जिला प्रशासन ने कड़ा रुख दिखाया है। प्रशासन ने सभी बीएलओ को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए हैं। प्रत्येक बीएलओ को अपने क्षेत्र में मतदाताओं तक पहुंचकर फॉर्म-6, 7 और 8 का वितरण करने, नए मतदाताओं के नाम जोड़ने और आवश्यक संशोधन करने का जिम्मा सौंपा गया था। लेकिन जिला निर्वाचन कार्यालय को यह शिकायतें मिलीं कि कुछ बीएलओ अपने क्षेत्र में समय पर नहीं पहुंचे और न ही उन्होंने पोर्टल पर मतदाता सूची से संबंधित अद्यतन जानकारी अपलोड की।

अयोध्या धाम दर्शन के लिए 57 श्रद्धालु रवाना होंगे

एमसीबी। छत्तीसगढ़ शासन की श्री रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) से कुल 57 श्रद्धालु अयोध्या धाम दर्शन के लिए रवाना होंगे। जिला प्रशासन द्वारा नगर निगम, नगर पालिका एवं जनपद पंचायतों से प्राप्त यात्रियों की अंतिम सूची तैयार कर छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड को भेज दी गई है। 12 नवंबर से 15 नवंबर 2025 के बीच होने वाली यात्रा में तीर्थयात्री विशेष रेल द्वारा दोपहर 12 बजे अंबिकापुर रेलवे स्टेशन से रवाना होंगे। यात्रा के अंतर्गत श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम में श्री रामलला विराजमान के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होगा। साथ ही वे अन्य निर्धारित धार्मिक स्थलों एवं पूजास्थानों का भ्रमण भी कर सकेंगे।

भूगर्भ से कोयला निकालने 3 गांवों का ड्रोन सर्वे होगा

कोरबा। कोरबा जिले में 40 वर्ग किलोमीटर में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की कोल माइंस मौजूद हैं। जबकि उनके आसपास और भी क्षेत्र में कोयला का विशाल भंडार होने का पता चला है। इसलिए मिनरल्स एक्सप्लोरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड का सर्वेक्षण पहले ही हो चुका है। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड गेवरा क्षेत्र में अपनी कॉल माइंस का दायरा और बढ़ाने के लिए तीन गांव को कहा है कि उनके यहां ड्रोन सर्वे बहुत जल्द करेंगे। इस ऐलान के साथ इलाके में चिंता है। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड गेवरा क्षेत्र की खदान का विस्तार पहले भी हो चुका है और इस चक्कर में मनगांव और दूसरे क्षेत्र की जमीन अर्जित हो चुकी। इस पूरी प्रक्रिया से प्रभावित लोगों को दूसरी जगह पर शिफ्ट किया गया है लेकिन उनकी शिकायतें तब से लेकर अब तक खत्म नहीं हो सकी।

जशपुर के खेतों में जमने लगी बर्फ, इन नौ जिलों में गिरेगा पारा, अलर्ट जारी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब पारा गिरने लगा है। उत्तर भारत में हो रही बर्फ बारी और वहां से आ रही ठंडी हवाओं के कारण अब प्रदेश के तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। बीते तीन दिनों से रायपुर समेत प्रदेश के अलग-अलग जिलों में ठंड का अहसास होने लगा है। सुबह और रात के साथ-साथ दिन में भी ठंडी हवाएं चल रही हैं, जिस कारण धूप में भी गुनगुनी ठंड का अहसास किया जा रहा है। मौसम विभाग ने प्रदेश के 9 जिलों में ठंड बढ़ने और शीतलहर चलने की संभावना जताते हुए अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग ने आज 11 नवंबर को राजधानी रायपुर, कोरिया, मनेंद्रगढ़, चिरमिरी, भरतपुर, सरगुजा, जशपुर, सूरजपुर और बलरामपुर जिले में ठंड बढ़ने और शीतलहर चलने का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर भारत से आ रही ठंडी हवाओं के कारण छत्तीसगढ़ में तापमान में गिरावट हो रही है। बीते कुछ दिनों में प्रदेश के औसतन तापमान में 2 डिग्री की गिरावट दर्ज हुई है।

नवंबर महीने में जाकर प्रदेश में ठंड का असर देखने को मिल रहा है। पहली बार इस मौसम में जशपुर जिले के खेतों में बर्फ की सफेद चादर देखने को मिली, आज सुबह पुआल में बर्फ की चादर बिछी नजर आ रही है। जशपुर जिले में बीती रात तापमान 8 डिग्री सेल्सियस तक पारा लुढ़क गया था। पंडरापाट क्षेत्र के लोगों को बर्फ जैसी सर्दी का अहसास हुआ। केवल जशपुर जिले में ही नहीं बल्कि उत्तर छत्तीसगढ़ में ठंड का असर देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों तक शीतलहर का अलर्ट जारी किया है। अंबिकापुर में प्रदेश का सबसे कम 8.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

ऐसा रहा तापमान

बात करें मध्य छत्तीसगढ़ की तो राजधानी रायपुर की तो 14.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। समीप स्थित माना में 13.2 डिग्री सेल्सियस, बिलासपुर में 13.4, पेंड्रारोड में 10.2, जगदलपुर में 15.7 और दुर्ग में 10.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया है।

बिहान योजना से आत्मनिर्भर हुई कोंडागांव की शकुन्तला शार्दुल

कभी दूसरों के खेत में मजदूरी करके चलाती थी आजीविका, सूक्ष्म सिंचाई ने बदली तस्वीर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कभी दूसरों की खेतों में मजदूरी कर अपने परिवार का गुजारा करने वाली शकुन्तला शार्दुल आज अपने ही खेतों में मेहनत के बल पर आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। उनकी यह कहानी इस बात की मिसाल है कि अगर अवसर और मार्गदर्शन मिले तो महिलाएँ अपने जीवन की दिशा बदल सकती हैं।

शकुन्तला वर्ष 2015 में अपने जिला कोण्डागांव के सिलेंदरी स्व-सहायता समूह से जुड़ीं। समूह के माध्यम से उन्होंने पहली बार लोन लेकर सेंटरिंग प्लेट का व्यवसाय शुरू किया, लेकिन अपेक्षित लाभ न मिलने पर उन्होंने दिशा बदली। असफलता से निराश होने के बजाय शकुन्तला ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने अपने पति के साथ मिलकर सब्जी की खेती शुरू करने का निर्णय लिया।

समूह से मिले ऋण की मदद से उन्होंने खेत में बोरवेल करवाया, जिससे सिंचाई की सुविधा प्राप्त हुई। शुरुआत में उन्होंने मटर, बरबटी और भिंडी की खेती की, जो काफी सफल रही और अच्छा मुनाफा मिला। इस सफलता से उत्साहित होकर शकुन्तला ने पुनः बिहान योजना से लोन लेकर ड्रिप सिंचाई प्रणाली लगवाई। अब उन्होंने खेती को बड़े पैमाने पर विस्तार देते हुए बैंगन, टमाटर, भिंडी और मटर जैसी फसलों की बुआई शुरू की।

आज शकुन्तला की मेहनत का फल यह है कि उनकी खेती से प्रत्येक सीजन में अच्छा मुनाफा हो रहा है। पहले जहाँ परिवार को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए संघर्ष करना पड़ता था, वहीं अब वही परिवार आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बन चुका है। शकुन्तला के पति खेती में उनका पूरा सहयोग करते हैं और उनका बेटा पढ़ाई कर रहा है। सब्जियों की खेती से उन्हें अब लगभग 15 हजार रुपए मासिक आय प्राप्त हो रही है।

बिहान योजना ने शकुन्तला शार्दुल जैसी हजारों ग्रामीण महिलाओं के जीवन में परिवर्तन की नई रोशनी जगाई है। इस योजना के माध्यम से महिलाएँ स्व-सहायता समूहों से जुड़कर छोटे-छोटे व्यवसाय, खेती, पशुपालन और हस्तशिल्प जैसे कार्यों के जरिए आर्थिक स्वावलंबन की ओर अग्रसर हो रही हैं। इससे न केवल उनकी आय बढ़ी है, बल्कि आत्मविश्वास और सामाजिक सम्मान भी हासिल हुआ है। शकुन्तला मुस्कुराते हुए कहती हैं कि बिहान योजना ने हमें खुद पर विश्वास करना सिखाया है। अब हम न सिर्फ अपने घर की जिम्मेदारी निभा रही हैं, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन गई हैं।

अरपा हुई मैली, एसटीपी एजेंसी पर ठोंका जुर्माना

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। शहर की जीवनरेखा कही जाने वाली अरपा नदी लगातार बढ़ते प्रदूषण की चपेट में है। नदी में गंदे पानी के प्रवाह को रोकने के लिए बनाए जा रहे सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का निर्माण समय पर पूरा नहीं हो पाया है। इस लापरवाही पर बिलासपुर नगर निगम ने ठेका कंपनी श्रद्धा कंस्ट्रक्शन पर 2.22 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है और दिसंबर तक काम पूरा करने की सख्त चेतावनी दी है।

निगम की रिपोर्ट के मुताबिक, शहर के 70 से अधिक नालों का लगभग 135 एमएलडी गंदा पानी बिना ट्रीटमेंट के सीधे अरपा नदी में जा रहा है। इनमें से करीब 110 एमएलडी पानी 11 बड़े नालों के जरिये नदी में पहुंचता है।

मंगला से दोमुहानी तक लगभग 10.5 किलोमीटर लंबाई में आबादी वाले इलाकों से सीवेज लगातार नदी में मिल रहा है, जिससे प्रदूषण का स्तर चिंताजनक रूप से बढ़ गया है। नगर निगम के अनुसार, मंगला में 10 एमएलडी क्षमता वाले एसटीपी का 75 प्रतिशत कार्य, जबकि 6 एमएलडी प्लांट का 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।

कोनी क्षेत्र में 2 एमएलडी एसटीपी अंतिम चरण में है, वहीं पचरीघाट में 1 एमएलडी क्षमता वाले प्लांट का निर्माण अभी प्रारंभिक स्तर पर है। निगम ने दावा किया है कि सभी एसटीपी मार्च 2026 तक पूर्ण रूप से तैयार हो जाएंगे।

जानकारी के लिए बता दें कि एसटीपी वह प्रणाली है जो घरों, दफ्तरों और उद्योगों से निकलने वाले गंदे पानी को विभिन्न भौतिक, रासायनिक और जैविक प्रक्रियाओं से साफ करती है, ताकि उसे पुनः उपयोग में लाया जा सके और नदियों या जल स्रोतों को प्रदूषित होने से बचाया जा सके।

भूपेश ने बिजली के साथ ही कानून व्यवस्था पर साय सरकार को घेरा

कहा छत्तीसगढ़ के किसान परेशान, बिहार में भी बदलाव की आहट

श्रीकंचनपथ समाचार

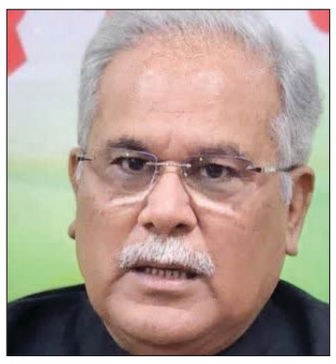

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने प्रदेश की साय सरकार पर जुबानी हमला बोला है। उन्होंने कहा, धान खरीदी शुरू होने वाली है लेकिन अब तक ना तो टोकन जारी हो रहा है और न ही आंदोलनरत सहकारी सोसायटियों के मुद्दों पर कोई चर्चा की जा रही है।

भूपेश बघेल ने कहा, एग्रीस्टेक में रजिस्ट्रेशन नहीं होने के कारण लाखों किसान धान बेचने से वंचित हो जाएंगे। पूर्व सीएम ने आरोप लगाया कि पिछले साल का धान अभी भी संग्रहण केन्द्रों में पड़ा हुआ है। जिसमें अंकुर निकलने लगा है। राइस मिलरों को सड़ा धान खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है. बघेल ने कहा, हमारी सरकार सुचारू रूप से धान खरीदी करती थी वैसी यह सरकार नहीं कर पा रही है।

पूर्व सीएम ने छत्तीसगढ़ में कानून व्यवस्था को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए. उन्होंने कहा, प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह खराब हो गई है। गुंडे बदमाशों को पुलिस का डर नहीं है। छत्तीसगढ़ अब अपराधगढ़ बन गया है. पुलिस वसूली में लगी हुई है।

हॉफ बिजली बिल के मामले में भूपेश बघेल ने कहा, घरेलू और व्यवसायिक उपभोक्ताओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। एक तरफ मनमाना बिजली बिल दिया जा रहा है तो वहीं दूसरी ओर बिजली कम दी जा रही है। भूपेश ने कहा, भाजपा सरकार को अभी दो साल पूरे भी नहीं हुए और तीन बार बिजली बिल को बढ़ा दिया गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने बिहार चुनाव पर कहा कि वहां परिवर्तन की स्थिति है। लोग चाहते हैं शिक्षा अच्छी मिले, रोजगार मिले, पलायन रुके। उन्होंने कहा, बिहार के युवा शिक्षा के लिए, रोजगार के लिए पलायन के लिए आक्रोशित है, निश्चित ही परिवर्तन होगा। पूर्व सीएम बीजेपी सरकार पर साम्प्रदायिक झगड़े करवाने का भी आरोप लगाया।

भूपेश बघेल ने बिहार में प्रशांत किशोर के चुनाव नहीं लड़ने पर कहा , प्रशांत किशोर सही मायने में अपर क्लास के वोट काट रहे थे, वे बड़ी तेजी से आगे बढ़ रहे थे। प्रशांत किशोर के चुनाव नहीं लड़ने के फैसले से सभी स्तब्ध हैं। जो मुख्यमंत्री बनाना चाहते थे, 150 का आंकड़ा पार कर रहे थे, चुनाव लड़ने से मना कर दिए। बघेल ने आगे कहा, इसके पीछे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का हाथ है। अमित शाह खुद वहां बैठे है, वो प्रत्याशियों को धमका रहे है। नीतीश को, मंत्री को सभी को धमका रहे हैं। समझा जा सकता है वहां क्या स्थिति बनी हुई है।

गोदावरी माइंस की जनसुनवाई भानुप्रतापपुर में करवाने की मांग

आक्रोशित ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

श्रीकंचनपथ समाचार

भानुप्रतापपुर। गोदावरी माइंस द्वारा प्रस्तावित जनसुनवाई को लेकर खनन प्रभावित गांवों के ग्रामीणों ने आज भानुप्रतापपुर कच्चे मार्ग पर चक्का जाम कर दिया। ग्रामीण मांग कर रहे हैं कि जनसुनवाई का आयोजन भानुप्रतापपुर में ही किया जाए। सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण इस प्रदर्शन में शामिल हुए, जिसके चलते इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे आदिवासी नेता कोमल हुपेंडी ने गोदावरी माइंस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। हुपेंडी ने कहा कि गोदावरी माइंस प्रबंधन लगातार आदिवासी भाइयों का शोषण कर रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि कंपनी की मनमानी पर रोक लगाई जाए।

प्रदर्शन में बैठे ग्रामीणों ने मुख्य रूप से बेरोजगारों को रोजगार देने की मांग की है। उनका कहना है कि माइंस द्वारा उत्पन्न किए गए बेरोजगारी के संकट को दूर करना प्रबंधन की जिम्मेदारी है।

ग्रामीणों का आरोप है कि कंपनी द्वारा डीएमएफ और डीएमएफ की राशि का उपयोग प्रभावित क्षेत्रों के विकास में नहीं किया गया है। उनका कहना है कि सीएसआर और डीएमएफ राशि से कोई विकास कार्य नहीं हुआ है, जबकि इन निधियों का उद्देश्य स्थानीय विकास और कल्याण होता है।

प्रदर्शन और चक्का जाम के चलते किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा तगड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों से बातचीत कर जाम खुलवाने और उनकी मांगों पर विचार करने का प्रयास किया जा रहा है।

सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों के इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होने से यह स्पष्ट है कि खनन प्रभावित क्षेत्रों में कंपनी के कामकाज, वादाखिलाफी और जनसुनवाई के स्थान को लेकर गहरा असंतोष है।

भखारा में सूखे सीधी बुआई धान प्रौद्योगिकी पर गोष्ठी

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। किसानों को आधुनिक और टिकाऊ खेती की दिशा में प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विगत दिवस किसानक्राफ्ट द्वारा विकासखंड कुरूद के ग्राम भखारा में सूखे सीधी बुआई धान प्रौद्योगिकी पर एक दिवसीय गोष्ठी एवं प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को सूखे सीधे बीज वाले धान की तकनीक के लाभों और उपयोगिता से अवगत कराना था। इस तकनीक से पारंपरिक धान की तुलना में 50 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है तथा उर्वरक, कीटनाशक और श्रम लागत में उल्लेखनीय कमी आती है।

कृषि विस्तार अधिकारी कल्याण सिंह ध्रुव ने बताया कि पारंपरिक धान की खेती में एक किलोग्राम धान के लिए लगभग 5,000 लीटर पानी की आवश्यकता होती है, जबकि सूखे सीधे बीज वाले धान में मात्र 2,000 से 2,500 लीटर पानी पर्याप्त होता है। यह विधि कम वर्षा वाले क्षेत्रों में भी सफलतापूर्वक अपनाई जा सकती है।

उन्होंने कहा कि धान की खेती भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऐसे में इस तरह की तकनीकें पानी की कमी और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से निपटने में सहायक सिद्ध होंगी।

किसानक्राफ्ट के बीज अनुसंधान प्रमुख डॉ. सुमन्त होल्ला ने बताया कि इस तकनीक से किसान मिट्टी की उर्वरता के आधार पर अधिक उपज प्राप्त कर सकते हैं। स्वाद में कोई परिवर्तन नहीं होता और खेती की लागत में उल्लेखनीय कमी आती है, जिससे किसानों की लाभप्रदता बढ़ती है।

डेवलपमेंट मैनेजर किशनजीत सिन्हा ने कहा कि इस विधि में नर्सरी तैयार करने, रोपाई करने या खेतों में पानी रोकने की आवश्यकता नहीं होती। यह पर्यावरण के अनुकूल तकनीक है, जिससे मीथेन उत्सर्जन भी कम होता है।

स्टेट मैनेजर सीताराम कौशिक ने बताया कि किसानक्राफ्ट एक आईएसओ प्रमाणित निर्माता, थोक आयातक और उच्च गुणवत्ता वाले कृषि उपकरणों का वितरक है। यह कंपनी छोटे और सीमांत किसानों की आय व उत्पादकता बढ़ाने के लिए समर्पित है।

किसानक्राफ्ट का देशभर में 5000 से अधिक डीलरों, एक विनिर्माण इकाई और 14 क्षेत्रीय कार्यालयों का सशक्त नेटवर्क है जिससे सेवा सुनिश्चित होती है।

बालिका गृह का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

कोण्डागांव। 11 नवंबर को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव, किरण चतुर्वेदी के निर्देशानुसार सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव, गायत्री साय के द्वारा बालिका गृह कोण्डागांव का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान माननीय न्यायाधीश ने बालिका की सुरक्षा, भोजन एवं स्वास्थ्य संबंधित व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने अधीक्षिका एवं कर्मचारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा अभिलेखों की भी जांच की। उन्होंने बालिकाओं से व्यक्तिगत रूप से बात-चीत भी की।

किसान समस्या निवारण शिविर का आयोजन

कोरबा। किसान समस्या निवारण शिविर करतला के छातापाठ प्रांगण ठाकुर देव स्थल में विधायक फूलसिंह राठिया के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। वर्तमान में किसानों का धान बिक्री हेतु कृषि रकबा कम कर दिया गया है या तो शून्य कर दिया गया है। किसान चिंतित हैं कि वे अपनी धान सोसायटी में कैसे बेच पाएंगे।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

बार-बार सर्दी-जुखाम होने की ये हैं असली वजह, जानें

मौसम बदलने पर बीमार पड़ना या फिर सर्दी-जुखाम हो जाना आम बात है लेकिन अगर आप उन लोगों में से शामिल हैं जिन्हें साल के 12 महीने में से 10 महीने सर्दी जुखाम रहता है और सिर्फ मौसम बदलने पर ही नहीं बल्कि आम दिनों में भी आप सर्दी-जुखाम की वजह से बीमार रहते हैं तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं क्योंकि आप अकेले नहीं है जो इस तरह की समस्या से दो-चार हो रहे हैं। हम आपको बता रहे हैं आखिर बार-बार बीमार पड़ने की वजह क्या है...

सामान्य सर्दी जुखाम बड़ी आसानी से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में ट्रांसफर हो जाता है। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ऐंड प्रिवेंशन की मानें तो कम से कम 20 सेकंड तक अच्छी तरह से हाथ धोना चाहिए। इसके अलावा खाना खाने से पहले, टॉइलट यूज करने के बाद, किसी बीमार व्यक्ति की देखभाल के बाद और खांसने या छींकने के बाद भी हाथों को अच्छी तरह से धोना चाहिए।

अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आपको भी सर्दी जुखाम होने का खतरा रहता है। इसमें कोई शक नहीं कि वैसे लोग जिनका इम्यून सिस्टम यानी रोगों से लड़ने की क्षमता कमजोर होती है वे जल्दी बीमार पड़ते हैं। इम्यूनिटी वीक होने की कई वजहें होती है जिसमें ऑटोइम्यून प्रॉब्लम, कुछ बीमारियां या फिर कई तरह की दवाईयां शामिल होती हैं जो शरीर को कमजोर बना देती हैं और रोगों से लड़ने की क्षमता खत्म हो जाती है। अगर आपका शरीर डिहाइड्रेटेड है यानी शरीर में पानी की कमी है तब भी आपका इम्यून सिस्टम यानी रोगों से लड़ने की क्षमता कमजोर हो जाती है जिससे आपके बीमार पड़ने का खतरा बढ़ जाता है। खुद को हाइड्रेटेड रखकर आप बीमार पड़ने के खतरे को कई गुना कम कर सकते हैं। शरीर में कीटाणुओं के पहुंचने का सबसे आसान तरीका है हमारे हाथों के जरिए... अगर आपके हाथों में कीटाणु हैं क्योंकि आपने अपने हाथ सही तरीके से नहीं धोएं हैं या फिर कोई गंदगी जगह छूने के बाद आपने हैंडवॉश नहीं किया है और उसके बाद आप अपना चेहरा या मुंह छूते हैं तो हाथों में लगे कीटाणु बड़ी आसानी से हमारे शरीर के अंदर प्रवेश कर जाते हैं। अगर आपको किसी चीज से ऐलर्जी है तो आपकी सर्दी जुखाम की समस्या और ज्यादा बढ़ जाएगी। इतना ही नहीं ऐलर्जी की वजह से सर्दी के लक्षण भी आए दिन दिखते और बढ़ते नजर आते हैं। अगर आपकी सर्दी जुखाम की समस्या 7 दिन के अंदर ठीक नहीं होती तो आपको डॉक्टर से संपर्क कर चेक करवाना चाहिए कि कहीं आपको किसी तरह की कोई ऐलर्जी तो नहीं है।

कटे सेब को काला पड़ने से बचाने के आसान टिप्स

हम में से कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं होगा जो फलों को काटने के बाद उनके काला पड़ने की समस्या से दो-चार न होता हो। कटे फलों को रंग बदलते और काला पड़ते देखना किसी को भी अच्छा नहीं लगता। आप कितनी भी अच्छी क्वॉलिटी का सेब लेकर आएं, वह कितना ही क्रिस्प और जूसी हो, काटने के बाद वह भूरा होना शुरू हो जाता है। इसकी वजह यह है कि जैसे ही आप सेब को काटते हैं वह हवा में मौजूद ऑक्सिजन के संपर्क में आता है और उसमें से एन्जाइम रिलीज होता है और सेब ऑक्सिडाइज होने लगता है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं आसान टिप्स जिनकी मदद से आप कटे सेब को काला पड़ने से बचा पाएंगे...

खट्टे जूस से काला नहीं पड़ेगा सेब

साइट्रिक ऐसिड ऑक्सिडेशन की प्रक्रिया को बंद कर देता है जिससे कटे फल काले पड़ने से बच जाते हैं। लिहाजा आप चाहें तो कटे हुए सेब पर नींबू का रस या संतरे का रस निचोड़ दें, सेब काला नहीं पड़ेगा। या फिर आप चाहें तो कटे हुए सेब को खट्टे फल के जूस में डूबो दें। आप जिस भी खट्टे फल का जूस यूज कर रहे हों याद रखें कि ऐसा करने से सेब के फ्लेवर पर थोड़ा बहुत असर जरूर पड़ेगा।

नमक और पानी

सोडियम क्लोराइड एक और केमिकल है जो ऑक्सिडेशन की प्रक्रिया को रोकने का काम करता है। ऐसे में आप चाहें तो कटे हुए सेब को नमक वाले पानी में कुछ देर के लिए डालकर छोड़ दें। एक बार जब सेब उस पानी में अच्छी तरह से भीग जाएं उसके बाद आप सेब को नल के पानी से धो लें ताकि आपका कटा हुआ फल बहुत ज्यादा नमकीन होने से बच जाए।

रबर बैंड का ट्रिक

अगर आप सेब या किसी भी फल को काटकर तुरंत नहीं खाने वाले हैं तो आप इस रबर बैंड ट्रिक को आजमा सकते हैं। इसके लिए कटे हुए सेब या फल को फांक में काटें और फिर उसके चारों तरफ टाइट से रबर बैंड बांध दें ताकि कटे हुए टुकड़ों में हवा न लगे।

शनाया कपूर की स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3 में नजर आएगा दिविक शर्मा

फिल्म निर्माता करण जौहर स्टूडेंट ऑफ द ईयर की दो किस्त ला चुके हैं, जिन्हें लोगों का बेशुमार प्यार मिला था। अब वह इस सीरीज की तीसरी किस्त पर काम कर रहे हैं, जो वेब सीरीज के रूप में रिलीज की जाएगी। इस सीरीज की मुख्य अभिनेत्री के तौर पर शनाया कपूर को पहले ही तय किया जा चुका है। ताजा खबर है कि इस सीरीज में दिविक शर्मा की एंट्री हो गई है। आइए जानते हैं उनके बारे में।

आर्यन खान की वेब सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड में दिविक को देखा गया था। उन्होंने बॉबी देओल के बेटे सौमिक तलवार का किरदार निभाया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, यह उभरता सितारा आगामी सीरीज स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3 में नजर आने के लिए तैयार है। दिविक के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने सिनेमा में बड़े बैनर वाली कई फिल्मों में सहायक फिल्ममेकर के तौर पर काम किया है।

स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3 सीरीज की बात करें तो इसमें शनाया को डबल किरदार निभाते हुए देखा जाएगा।

ऐसा इस फ्रेंचाइजी में पहली बार देखने को मिलेगा। सीरीज का निर्देशन रीमा माया करेंगीए जिन्हें लघु फिल्म नॉक्टर्नल बर्गर के लिए जाना जाता है। शनाया के काम की बात करें तो उन्हें आंखों की गुस्ताखियां में देखा गया था। यह उनकी डेब्यू फिल्म थी, जिसमें विक्रांत मैसी भी हैं। जल्द ही उन्हें सुपरस्टार मोहनलाल की फिल्म वृषभ में देखा जाएगा।

एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने बताया सफलता का मंत्र, छोटे हो या बड़े रोल, लगातार करते रहें काम

फिल्म इंडस्ट्री हमेशा बदलती रहती है। पहले कलाकारों के लिए बड़ी फिल्म से शुरुआत करना और भव्य लॉन्चिंग जरूरी माना जाता था, लेकिन अब समय बदल गया है। अभिनेत्री श्रद्धा दास का मानना है कि आज के दौर में कलाकारों को अपने टैलेंट, लगातार मेहनत और खुद से बनाए गए अवसरों पर ध्यान देना चाहिए। यही रास्ता है जो किसी भी कलाकार को इंडस्ट्री में टिकने और नाम कमाने में मदद करता है। श्रद्धा ने कहा कि सफलता पाने का कोई छोटा रास्ता नहीं होता।

उन्होंने कहा, मैंने खुद बड़े और छोटे रोल, गाने, दूसरे प्रमुख रोल, सब कुछ करके इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई है। किसी बड़ी फिल्म के भव्य लॉन्च का इंतजार करना अब पुराने जमाने की सोच है। अगर कोई बाहर से आया है तो उसे लगातार काम करते रहना चाहिए, अच्छे प्रोजेक्ट्स को स्वीकार करना चाहिए, लोगों की नजर में बने रहना चाहिए और अपने काम में सुधार करते रहना चाहिए। यही तरीका है जिससे हर कलाकार अपनी मंजिल तक पहुंच सकता है। अपने प्रोजेक्ट्स चुनते समय वह किन चीजों को ध्यान में रखती है, इस सवाल का जवाब देते हुए श्रद्धा ने कहा, मेरे लिए सबसे पहले डायरेक्टर का अनुभव और क्षमता मायने रखती है। इसके बाद मैं प्रोडक्शन हाउस, साथ काम करने वाले अभिनेता और स्क्रिप्ट पर भी ध्यान देती हूं। इसके अलावा मैं खुद से सवाल करती हूं कि स्क्रिप्ट में मेरी भूमिका कितनी मजबूत है और कहानी में कितना योगदान है। यह हमेशा से मेरी प्राथमिकता रही है कि मेरा किरदार कहानी में एक फर्क लाए और मैं यह भी देखती हूं कि प्रोजेक्ट की विजुअल प्रस्तुति कैसी है।

श्रद्धा दास की हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज सर्च- द नैना मर्डर केस को लोगों ने काफी पसंद किया। इसके चलते आईएमडीबी ने उन्हें लोकप्रिय भारतीय सेलिब्रिटी लिस्ट में पहला स्थान दिया।

उन्होंने बताया कि शुरुआत में उनका रैंक लगभग 1400 था। फिर फिल्म खाकी के बाद यह बढ़कर 82 हुआ। नैना मर्डर केस के रिलीज के बाद रैंकिंग तेजी से बढ़ी। पहले सप्ताह वह 15वें स्थान पर थीं, दूसरे सप्ताह चौथे स्थान पर और आखिर में वह नंबर 1 पर पहुंच गईं।

श्रद्धा ने कहा, मेरे पास कोई पीआर टीम या आईएमबीडी से कोई व्यक्तिगत संपर्क नहीं है। इसलिए यह उपलब्धि मेरे लिए बहुत ही आश्चर्यजनक और उत्साहजनक रही है। लोगों ने मेरे किरदार को वास्तव में पसंद किया और इसके लिए मैं बहुत आभारी हूं। इस अनुभव ने मुझे यह समझने में मदद की कि सच्ची मेहनत और लगन हमेशा सराहना पाती है।

सीजन के अनुसार बदलें मेकअप का तरीका

आने वाले सीजन का मेकअप ट्रैंड बहुत ही लाइट और सादगीभरा होगा. ऐसे में आप किस तरह परफैक्ट मेकअप लुक पा सकती हैं, आइए जानते हैं:

■अगर आप की स्किन क्लीयर है, तो आप को हैवी फाउंडेशन लगाने की जरूरत नहीं है. उस की जगह लाइट फाउंडेशन में थोड़ा सा शिमर मिला कर लगाएं. यह आप की स्किन को ग्लोइंग टच देगा.

■फेस की कंटूरिंग हमेशा लाइट ही करनी चाहिए. इस के लिए पीच पिंक ब्लश जो आजकल काफी ट्रैंड में है का इस्तेमाल कर काफी अच्छा लुक पा सकती हैं.

■लाइट आई मेकअप करने की कोशिश करें यानी आंखों को सौफ्ट टच देने की जो आप के डे और ईवनिंग लुक दोनों पर जंचेगा.

■स्मोकी आंखों के लिए ब्लैक ही नहीं, बल्कि ग्रीन, ब्लू, ग्रे, बैरीज कलर्स ट्राई कर सकती हैं.

■लिप्स को भी अट्रैक्टिव बनाना न भूलें, क्योंकि इस बार के फैशन में इन का अहम रोल है. इस के लिए या तो आप अपने लिप्स को न्यूड पिंक या फिर गोल्डन टच जिस में शिमरी लुक हो से बहुत ही बेहतरीन लुक पा सकती हैं.

■आजकल फैशन में बैरीज, डीप ब्राउन और मैटेलिक फिनिश में पिंक कलर है, फिर भी आंखों और चेहरे पर इस का कम ही इस्तेमाल करें, क्योंकि यह आप के रूप को बिगाड़ने का काम करेगा.

यों संवारें खुद को

न्यूड लिप्स ऐंड आईज: न्यूड शेड लिपस्टिक के साथ आप अपनी पलकों को मसकारे की मदद से कर्ल करने के साथ इनर लिड्स पर हलका सा व्हाइट काजल लगा कर अमेजिंग लुक हासिल कर सकती हैं. इसी के साथ आंखों के नीचे की झुर्रियों को कंसीलर की मदद से दूर कर के परफैक्ट दिखें.

स्मोकी आंखें: इस स्प्रिंग आप ब्लू, पर्पल, यलो, पिंक जैसे आईशैडो से आंखों को दें स्मोकी लुक, साथ ही लाइट लिप शेड्स ट्राई करें. भले ही आप न बोलें आप की आंखें सब बयां कर देंगी.

ग्लोइंग स्किन: स्किन को चार्मिंग व ग्लोइंग दिखाने के लिए पीची ब्लश और लाइट लिक्विड फाउंडेशन या फिर सीसी क्रीम का इस्तेमाल करें. साथ ही लिपस्टिक के न्यूड शेड्स ट्राई करना न भूलें.

ग्लिटर आईलाइनर्स, लिप टिंट्स: अब बोरिंग ब्लैक लाइनर्स के बजाय गोल्ड, सिल्वर लाइनर का इस्तेमाल कर के आंखों को अट्रैक्टिव बनाइए. लिप टिंट्स लिप्स को मौइश्चर तो देगा ही, साथ ही ग्रेस भी अलग आएगी.

हाईलाइटर: हाईलाइटर जो सिर्फ चीक्स को शाइन देने का ही काम नहीं करेगा, बल्कि इसे आंखों के कौनर्स पर लगाने से आंखें बड़ीबड़ी दिखेंगी. इसी के साथ आप इसे लिपस्टिक पर गोल्डन फिनिश के रूप में भी इस्तेमाल कर सकती हैं यानी मल्टी वर्क.

लाइट कंटूरिंग लुक: लाइट कंटूरिंग स्टिक का इस्तेमाल कर ग्लैमरस लुक पा सकती हैं.

टूथब्रश के 7 आश्चर्यजनक इस्तेमाल, जो आपको मालूम होना चाहिए

आज तक आपने टूथब्रश केवल दांतों की सफाई के लिए इस्तेमाल किया होगा, लेकिन टूथब्रश के जो इस्तेमाल हम आपको बताने जा रहे हैं, उन्हें जानने के बाद आप आश्चर्यचकित रह जाएंगे। आइए आपको बताएं कि आपको क्यों अपना पुराना टूथब्रश नहीं फेंकना चाहिए और इसे आप किन कामों के लिए प्रयोग कर सकते है –

■दांतों की सफाई के अलावा आप टूथब्रश से अपने नाखूनों को भी साफ कर सकते हैं।

■आप इसे मेनीक्योर और पेडीक्योर करते समय इस्तेमाल कर सकते हैं।

■होंठों पर जमी मृत त्वचा को हटाने के लिए भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए होंठों पर हल्के दबाव के साथ टूथब्रश के इस्तेमाल से स्क्रब करें।

■कंघी में जमा गंदगी को टूथब्रश से आसानी से साफ किया जा सकता है।

■हेयरड्रायर को साफ करने के लिए भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

■बालों को रंगने व हाईलाइटिंग करना हो तब भी टूथब्रश बड़े काम की चीज है।

छत्तीसगढ़ और गुजरात मिलकर विकसित भारत के निर्माण में निभाएंगे अहम भूमिका : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

इन्वेस्टर कनेक्ट : अहमदाबाद में छत्तीसगढ़ को मिला बड़ा निवेश प्रस्ताव

रायपुर। अहमदाबाद में आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ को लगभग 33,321 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने थर्मल पावर प्लांट, ग्रीन स्टील मैन्युफैक्चरिंग, सोलर सेल, फार्मास्युटिकल उत्पाद और मेडिकल फूड सप्लीमेंट जैसे क्षेत्रों की प्रमुख कंपनियों को निवेश प्रस्ताव पत्र प्रदान किए।छत्तीसगढ़ को मिले इन निवेश प्रस्तावों से राज्य में 14,900 नए रोजगार अवसर सृजित होंगे।

उल्लेखनीय है कि नई औद्योगिक नीति लागू होने के बाद से अब तक छत्तीसगढ़ को कुल 7.83 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अहमदाबाद में आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट मीट में देश के शीर्ष उद्योगपतियों और व्यवसायिक नेतृत्व से राज्य में निवेश की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। उद्योगपतियों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योग, निवेश और नवाचार की भूमि गुजरात में आकर वे अत्यंत उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात के कण-कण में उद्यमिता बसी है और दुनिया का कोई ऐसा कोना नहीं, जहां गुजराती भाइयों की उपस्थिति न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात और छत्तीसगढ़ मिलकर विकसित भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाएंगे। श्री साय ने कहा कि गुजरात जिस प्रकार देश और विश्व की अर्थव्यवस्था को गति दे रहा है, उसी दिशा में छत्तीसगढ़ भी तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि गुजरात के पास उद्यम है, तो छत्तीसगढ़ के पास ऊर्जा, खनिज, कुशल जनशक्ति और आकर्षक औद्योगिक नीति है—जो निवेशकों के लिए किसी वरदान से कम नहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने पिछले 22 महीनों में 350 से अधिक सुधार किए हैं, जिनसे उद्योग स्थापित करना और अधिक सुगम हुआ है। राज्य में सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से आवश्यक अनुमतियाँ अब त्वरित रूप से जारी की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि नई औद्योगिक नीति के तहत उद्योगों को विशेष अनुदान एवं प्रोत्साहन दिए गए हैं। बस्तर और सरगुजा जैसे जनजातीय अंचलों में उद्योग लगाने पर अतिरिक्त सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक राज्य में 7.5 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश में कोयला उत्पादन में दूसरे स्थान पर है और हाल ही में आयोजित एनर्जी समिट में 3.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। राज्य में थर्मल, हाइडल, सोलर और वन-आधारित उद्योगों की विशाल संभावनाएँ मौजूद हैं।

उन्होंने आगे बताया कि नवा रायपुर को आईटी और एआई डेटा सेंटर हब के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहाँ सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की कंपनियाँ निवेश में विशेष रुचि दिखा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन को उद्योग का दर्जा प्रदान किया गया है, जिससे हॉस्पिटैलिटी और वेलनेस सेक्टर में भी निवेश की नई संभावनाएँ खुली हैं। कार्यक्रम में सीएसआईडीसी के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, सीएसआईडीसी के प्रबंध संचालक विश्वेश कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इन कंपनियों ने की निवेश की घोषणाएँ

1. लीजियम लाइफ साइंसेस प्राइवेट लिमिटेड – यह कंपनी फार्मास्युटिकल उत्पाद और मेडिकल फूड सप्लीमेंट का निर्माण करती है। कंपनी ने 101 करोड़ का निवेश प्रस्ताव रखा है, जिससे 750 रोजगार सृजित होंगे।

2. टोरेंट पावर लिमिटेड, अहमदाबाद – कंपनी ने 22,900 करोड़ की लागत से 1,600 मेगावाट क्षमता का थर्मल पावर प्लांट स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है, जिससे छत्तीसगढ़ की ऊर्जा क्षमता को नई दिशा मिलेगी। इससे लगभग 5,000 लोगों को रोजगार प्राप्त होगा।

3. टोरेंट फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड – कंपनी ने फार्मास्युटिकल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट की स्थापना के लिए 200 करोड़ का निवेश प्रस्तावित किया है, जिससे 200 लोगों को रोजगार मिलेगा।

छत्तीसगढ़िया स्वाद से महक उठा केवड़िया : एकता नगर में छत्तीसगढ़ के पर्यटन एवं संस्कृति की गूंज

श्रीकंचनपथ न्यूज

हस्तकला और लोक संस्कृति पर गर्व

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अंबिकापुर के बुनकरों द्वारा तैयार कोसा वस्त्रों की खरीदारी की और शिल्पियों से बातचीत की। उन्होंने भारत पर्व में प्रस्तुति देने आए छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक दल से भी मुलाकात कर उन्हें प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति, वेशभूषा और लोकनृत्य हमारी पहचान का अभिन्न हिस्सा हैं। हमारा उद्देश्य है कि इन परंपराओं को राष्ट्रीय मंच पर और सशक्त रूप से प्रस्तुत किया जाए। भारत पर्व में छत्तीसगढ़ के लोकनृत्य, हस्तशिल्प, पारंपरिक खानपान और समृद्ध पर्यटन स्थलों की झलक देखने के लिए बड़ी संख्या में आगंतुक पहुंच रहे हैं और राज्य की सजीव संस्कृति से अभिभूत हो रहे हैं।

रायपुर। गुजरात के केवड़िया स्थित एकता नगर में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित भारत पर्व में छत्तीसगढ़ की झलक हर आगंतुक के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने भारत पर्व का अवलोकन किया तथा छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया। उन्होंने पर्यटन मंडल के अधिकारियों से राज्य के प्रमुख पर्यटक स्थलों और योजनाओं की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता, परंपराएं और लोककला पूरे भारत में अपनी अनोखी पहचान रखती हैं। छत्तीसगढ़ अब तेजी से भारत के उभरते हुए पर्यटन केंद्र के रूप में पहचान बना रहा है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने स्टूडियो किचन में पर्यटन मंडल छत्तीसगढ़ द्वारा संचालित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, रायपुर की छात्राओं द्वारा तैयार पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लिया। अमारी का शरबत, करील के कबाब, चौसेला रोटी, बफौरी और फरा जैसे व्यंजनों ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध पाक-कला और संस्कृति की झलक पेश की। मुख्यमंत्री साय ने आईएचएम रायपुर की छात्राओं की सराहना करते हुए कहा कि ये छात्राएं छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर की संवाहक हैं, जो अपनी प्रतिभा से राज्य का गौरव बढ़ा रही हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य एवं जीएम वेदव्रत सिरमौर भी उपस्थित थे।

सुकमा के दूरस्थ नियद नेल्ला नार योजना गांवों तक पहुंचे, कोई पात्र हितग्राही न छूटे : मंत्री कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने सुकमा जिले के कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक परिणाम धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए, जिससे प्रत्येक पात्र हितग्राही को योजनाओं का पूर्ण लाभ समय पर मिल सके।

मंत्री कश्यप ने कहा कि शासन की मंशा है कि ग्रामीण अंचलों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए सभी अधिकारी और कर्मचारी पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। उन्होंने सुकमा के दूरस्थ और अंदरूनी क्षेत्रों में शासकीय योजनाओं के सेचुरेशन (पूर्ण कवरेज) पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए, ताकि कोई भी पात्र हितग्राही योजना के लाभ से वंचित न रह जाए। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि प्रत्येक विभाग अपने कार्य की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें और योजनाओं की स्थिति का फीडबैक सीधे ग्रामीणों से प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि दूर गांव से अपनी समस्या लेकर आने वाले ग्रामीणों की समस्याओं का उचित निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, एनआरएलएम, स्वच्छ भारत मिशन, लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खाद्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, जल जीवन मिशन तथा माओवादी पीड़ित और आत्मसमर्पित माओवादी परिवारों के पुनर्वास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। मंत्री श्री कश्यप ने इन योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन हेतु दिशा-निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक के अंत में जिला पंचायत सीईओ मुकुन्द ठाकुर ने मंत्री कश्यप को मार्गदर्शन और सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

बैठक में महिला आयोग की सदस्य सुश्री दीपिका सोरी, कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव, एसपी श्री किरण चव्हाण, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि श्री धनीराम बारसे, नगर पालिका परिषद सुकमा अध्यक्ष श्री हुंगाराम मरकाम, जिला पंचायत सदस्य श्री कोरसा सन्नू, श्री हुंगाराम मरकाम सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

फसलों में बीमारियों के नियंत्रण के लिए जैव नियंत्रकों का उपयोग करें : डॉ. चंदेल

कृषि विश्वविद्यालय में जैव-एजेंटों के मास मल्टीप्लीकेशन पर एक दिवसीय हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कृषि विश्वविद्यालय रायपुर में जैव नियंत्रण एजेंट्स के व्यापक प्रसार (Mass Multiplication of Biocontrol Agents) पर हैंड्स-ऑनट्रेनिंग का आयोजन छत्तीसगढ़ काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी रायपुर के वित्तीय सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विशेषज्ञों ने छात्रों को कृषि के बदलते स्वरूप और जैविक उपायों के महत्व से अवगत कराया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को जैविक कीट नियंत्रण के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराना था। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। डॉ. चंदेल ने कहा कि हमें ब्राज़ील के उदाहरण से सीखना चाहिए, जहाँ मच्छरों के नियंत्रण के लिए जैव नियंत्रण एजेंट्स का सफल उपयोग किया गया है। उन्होंने रासायनिक पदार्थों के उपयोग को कम करने और सामुदायिक स्तर पर जैविक नियंत्रण के उपाय अपनाने का आह्वान किया।

कार्यशाला में डॉ. संजय शर्मा अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने कहा कि आज की कृषि पूरी तरह बाजार-केन्द्रित हो चुकी है, और जैव नियंत्रण एजेंट्स उद्यमिता के लिए एक उत्कृष्ट मंच साबित हो सकते हैं। डॉ. आरती गुहे अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, रायपुर ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे आज अर्जित किए गए ज्ञान को आगे साझा करने के माध्यम बनें, ताकि यह जानकारी समाज के अन्य सदस्यों तक पहुँच सके। छत्तीसगढ़ काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के प्रतिनिधि डॉ. अखिलेश त्रिपाठी ने कहा कि ऐसे शोध एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन बार-बार किया जाना चाहिए, जिससे छात्रों के साथ-साथ कृषक समुदाय को भी नई तकनीकों की जानकारी मिल सके। कार्यक्रम में डॉ. एस. एस. टुटेजा, निदेशक विस्तार सेवाएं भी मौजूद थे। इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यशाला में छत्तीसगढ़ के 20 विभिन्न महाविद्यालयों से 150 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्रों के लिए न केवल एक शैक्षणिक अनुभव रहा, बल्कि टिकाऊ कृषि और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायी कदम भी साबित हुआ।

प्रशिक्षण के तकनीकी सत्रों में देश के ख्याति प्राप्त वैज्ञानिकों ने ऑनलाइन माध्यम से अपने व्याख्यान दिए। डॉ. ऋचा वार्ष्णेय डॉ. विशाल सिंह सोमवंशी (आई एआर आई), और डॉ. विनोद निर्मलकर, कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, बिलासपुर ने जैव-एजेंटों के मास मल्टीप्लीकेशन और कृषि में उनके महत्व पर विस्तृत जानकारी साझा की।

पीएम सूर्य घर योजना से बिजली बिल हुआ लगभग शून्य

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में शासन प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ जन-जन तक पहुँच रहा है। इस योजना से प्रेरित होकर रायगढ़ जिले के रियापारा निवासी श्री रविंद्र नाथ गोपाल ने अपने घर की छत पर सोलर सिस्टम स्थापित किया है। पहले उन्हें प्रतिमाह लगभग 3,000 रुपये तक बिजली बिल देना पड़ता था, परंतु अब उनका बिजली खर्च लगभग समाप्त हो गया है। गोपाल बताते हैं कि सोलर सिस्टम लगाना उनके जीवन का सर्वोत्तम निर्णय रहा। अब उन्हें बिजली बिल की चिंता नहीं रहती और वे आत्मनिर्भरता का अनुभव कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सूरज की रोशनी से अपनी बिजली बनाना गर्व की अनुभूति कराता है। इस योजना के अंतर्गत 3 किलोवाट क्षमता के सोलर प्लांट पर केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा 1 लाख 8 हजार रुपये की सब्सिडी प्रदान की जा रही है।

संगठन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी

स्वाति साहू बनीं राष्ट्रीय महिला कार्यकारी अध्यक्ष

श्रीकंचनपथ न्यूज

लखनऊ / नई दिल्ली। अखिल भारतीय तैलिक साहू महा सभा (ABTSM) ने संगठन में महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देते हुए समाजसेविका स्वाति साहू को राष्ट्रीय महिला कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि श्रीमती साहू के नेतृत्व में महा सभा 'तैलिक साहू महिला स्वावलंबन अभियान' को राष्ट्रीय स्तर पर गति देगी। इस अभियान का उद्देश्य समाज की महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ शिक्षा, कौशल विकास और सूक्ष्म-वित्त सहायता के माध्यम से उन्हें सशक्त करना है।

श्रीमती स्वाति साहू महिला प्रकोष्ठ का नेतृत्व करेंगी और समाज की महिलाओं को सामाजिक तथा राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करेंगी। श्रीमती साहू ने कहा कि भारत तेली समाज के लोगों की संख्या 14 करोड़ है, वहीं छत्तीसगढ़ में करीब 70 लोग निवास करते हैं। यह दायित्व बहुत ही बड़ी है। मैं राष्ट्रीय नेतृत्व और प्रदेश साहू संघ का आभार व्यक्त किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके मार्गदर्शन में संगठन महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल करेगा। यह जानकारी राष्ट्रीय महासचिव रामलाल गुप्ता द्वारा अध्यक्ष महोदय की स्वीकृति से प्रेस हेतु जारी की गई है।

शिक्षा की अनोखी क्रांतिः ग्रामीणों ने खुद संभाली कमान

सरपंच, पंच, ग्राम सभा अध्यक्ष, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, शिक्षक, गांव के बुजुर्ग, महिलाएं, युवा सब मिलकर ला रहे गांव में शिक्षा क्रांति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जगदलपुर से महज 30 किलोमीटर दूर बस्तर के वनांचल में स्थित इस छोटे से गांव कोलावाड़ा में कुछ ऐसा हो रहा है जो हर गांव के लिए एक मिसाल बन रहा है। पेसा कानून के तहत बनी ग्राम स्तरीय शिक्षा समिति ने गांव की शिक्षा व्यवस्था को न केवल संभाल लिया है, बल्कि उसे नई दिशा भी दे रही है। सरपंच, पंच, ग्राम सभा अध्यक्ष, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, शिक्षक, गांव के बुजुर्ग, महिलाएं और युवा सभी मिलकर एक टीम बन चुके हैं।

प्रशासन भी शिक्षा समिति को कर रहा सहयोग

इस टीम के सदस्य विश्वनाथ नाग और प्रेमकुमार नाग ने बताया कि टीम में समर्पित सदस्यों की भूमिका सराहनीय है, जो हर कदम पर आगे बढ़कर जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इनका मकसद साफ है प्रशासन के सहयोग से बच्चों को पढ़ाना, स्कूलों पर नजर रखना एवं शाला प्रबंधन सहित आंगनबाड़ी की गतिविधियों को सुचारु करना और गांव की हर समस्या को शिक्षा के जरिए सुलझाना। इस दिशा में शिक्षा विभाग के अधिकारियों सहित शिक्षकों का भी अहम भूमिका है।

हर घर जाकर दे रहे शिक्षा का संदेश

पिछले दो महीनों से समिति के सदस्य हर पारा, हर मोहल्ले में घर घर पहुंच रहे हैं। माता-पिता से बात कर बच्चों को समझा रहे हैं कि पढ़ाई ही आगे बढ़ने का रास्ता है। स्वच्छता, स्वास्थ्य, मलेरिया से बचाव और सबसे बड़ी बात नशे से दूर रहना, इन सब पर लगातार जागरूकता फैलाई जा रही है। गांव के युवा सरकारी नौकरियों तक पहुंच सकें, इसके लिए अभी से पूरे गांववासियों ने मिलकर प्रयास शुरू कर दिया है।

रूपये इक्कट्ठे कर बच्चों को दे रहे शिक्षण सामग्री

यहां बदलाव की शुरुआत हो चुकी है। गांव के युवाओं और समिति सदस्यों ने अपनी जेब से पैसे निकाले। जागरूक ग्रामीणों ने कुल 6,050 रुपए इकट्ठे किए और इस पैसे से बच्चों की पढ़ाई के लिए अतिरिक्त सामग्री पेन, कॉपी, पहाड़ा चार्ट, तीन व्हाइट बोर्ड, बल्ब, तार और होल्डर आदि खरीदी गई। हर पारा को एक बोर्ड मिला, ताकि बच्चे ग्रुप में पढ़ सकें। शाम ढलने पर भी पढ़ाई न रुके, इसके लिए बिजली की व्यवस्था की गई।

गांव के युवा बच्चों को दे रहे नि:शुल्क ज्ञान

अब गांव के ही युवा स्वयंसेवकों ने भी बच्चों को नि:शुल्क पढ़ाने की जिम्मेदारी अपने कंधों पर लेकर पहली से आठवीं तक के बच्चों को पढ़ा रहे हैं। बच्चों की पढ़ाई के लिए सामग्री बांटने का दिन यादगार रहा। सरपंच, पंच, शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, बुजुर्ग, महिलाएं पूरा गांव उमड़ पड़ा। आंगनबाड़ी से लेकर आठवीं तक के शिक्षकों की मेहनत की तारीफहुई। बच्चों के हाथों में नई कॉपियां, पेन और बोर्ड थमाए गए। समिति ने वादा किया आगे भी सहयोग जारी रहेगा।

स्कूल से ली छुट्टी तो शिक्षा समिति पहुंचेगी घर

स्कूल से गायब बच्चे अब घर पर नहीं बैठेंगे। शिक्षा समिति उनके घर जाएगी, कारण जानेगी और स्कूल भेजेगी। नशे की लत को दूर करने के लिए भी साथ में अभियान चलाया जा रहा है। स्वच्छता और स्वास्थ्य पर कार्यक्रम हो रहे हैं। स्कूल और आंगनबाड़ी की नियमित निगरानी हो रही है। जो बच्चा पढ़ने में रुचि दिखाएगा, उसे किताबें, पेन, जरूरत की हर चीज मिलेगी। अगले सत्र में जो बच्चा प्रथम श्रेणी लाएगा, उसे ग्राम सभा और समिति की ओर से इनाम जरूर मिलेगा। कोलावाड़ा अब सिर्फएक गांव नहीं रहा। यह एक उम्मीद बन चुका है। जहां लोग खुद अपने बच्चों का भविष्य गढ़ रहे हैं। जहां शिक्षा कोई सरकारी योजना नहीं, बल्कि गांव की अपनी मुहिम बन गई है। बस्तर का यह कोना अब पूरे राज्य को बता रहा है जब इच्छाशक्ति हो, तो रास्ते अपने आप बनते हैं।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

दिल्ली में हुए धमाके की चपेट में आई बालोद के प्रशांत की गाड़ी

बालोद। राजधानी दिल्ली में हुए ब्लास्ट में छत्तीसगढ़ नंबर की कार भी क्षतिग्रस्त हुई है। घटना के समय यह गाड़ी चांदनी चौक सिग्नल के पास खड़ी थी। धमाके की तीव्रता इतनी थी कि वाहन के चारों शीशे टूट गए और चालक को सिर में चोट आई, जिसका उपचार लोकनाथ अस्पताल में किया जा रहा है। वाहन स्वामी प्रशांत बघेल ने बताया कि यह मारुति कार उनके भाई हिमांशु बघेल के पास थी, जो अपने पार्टनर जयंत झमानी के साथ मिलकर सेल्फ-ड्राइव सर्विस के नाम से वाहनों को किराए पर देते हैं। हादसे के समय गाड़ी किराए पर दी गई थी और दिल्ली में एक परिवार शादी की खरीदारी के लिए इसका उपयोग कर रहा था। दिल्ली से लौटे जयंत झमानी ने बताया कि धमाका इतना शक्तिशाली था कि आसपास खड़ी कई गाड़ियां इसकी चपेट में आ गईं। प्रशांत बघेल ने बताया कि धमाके में गाड़ी को नुकसान जरूर हुआ, लेकिन उनका भाई सुरक्षित है और जल्द ही बालोद लौट आएगा। पुलिस एवं प्रशासन लगातार घटना से जुड़े लोगों से संपर्क बनाए हुए हैं और मामले की जांच जारी है।

ड्रिंक एंड ड्राइव करने वाले 40 चालकों पर कार्रवाई की

भिलाई। पूरे जिले में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान ड्रिंक एंड ड्राइव की गंभीर श्रेणी के मामलों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए मोटर वाहन अधिनियम की धारा 185 के तहत कुल 40 प्रकरण दर्ज कर वाहनों को जब्त करते हुए न्यायालयीन कार्रवाई के लिए भेजा गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात ऋचा मिश्रा ने बताया कि चलाए गए व्यापक चेकिंग अभियान के दौरान बिना हेलमेट 55 प्रकरण, ड्रिंक एंड ड्राइव, 27 प्रकरण, रैश ड्राइविंग, 25 प्रकरण, नो पार्किंग 24 प्रकरण, अन्य उल्लंघनों पर 119 प्रकरण कुल मिलाकर 350 चालानी कार्रवाई कर लगभग 1,30,000 की राशि वसूल की गई। एएसपी ने बताया कि सड़क पर सुरक्षा केवल नियमों का पालन करने से ही संभव है। कृपया बिना हेलमेट वाहन न चलाएं, नशे की हालत में ड्राइव न करें, गति सीमा का पालन करें।

फांसी लगाकर की खुदकुशी

कोरबा। प्रगति नगर कॉलोनी में रहने वाले रिटायर्ड एएसआई के पुत्र ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या करलिया। दीपका थाना अंतर्गत एसईसीएल की प्रगतिनगर कॉलोनी के आवास क्रमांक एमक्यू-834 में रिटायर्ड एएसआई कलम सिंह ध्रुव का पुत्र फणीभूषण ध्रुव उर्फ दादू (32) निवासरत था। उसने रविवार को अपने कमरे में फांसी लगा ली। उसके आवास से बाहर नहीं आने पर जब पड़ोसी अंदर पहुंचे तो वहां फांसी के फंदे पर उसका शव लटकता मिला। पड़ोसियों ने दीपका पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची। जानकारी मिलने पर परिजन भी पहुंचे। शव को फंदे से उतारकर मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

रिटायर्ड अफसर ने युवती से किया रेप,वीडियो वायरल करने की धमकी

फेसबुक पर हुई थी दोस्ती, युवती के घर जाकर किया दुष्कर्म

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ खाद्य विभाग के रिटायर्ड फूड अफसर संजय दुबे पर रेप, ब्लैकमेलिंग और धमकी देने का आरोप लगा है। 23 वर्षीय युवती ने रायपुर के आरंग थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। पीड़िता ने बताया कि फेसबुक पर संजय दुबे ने दोस्ती की, फिर मेरे घर में आकर रेप किया।

जानकारी के मुताबिक, पीड़िता आरंग थाना क्षेत्र की निवासी है। युवती ने रिटायर्ड फूड इंस्पेक्टर के खिलाफ 8 पन्नों की लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता ने बताया कि संजय ने न्यूड फोटोज खींची थी। ब्लैकमेल कर 3 लाख रुपए भी वसूले। पीड़िता ने पुलिस को फेसबुक पर चैटिंग के स्क्रीनशॉट भी दिए हैं। रिटायर्ड फूड इंस्पेक्टर और पीड़िता के बीच बातचीत के स्क्रीनशॉट दैनिक भास्कर डिजिटल के पास मौजूद हैं। चैट में संजय दुबे ने लिखा कि लेट गई बिस्तर पर, सो जाओ, खाना खा लिया? मुझ पर विश्वास करो। ईश्वर साक्षी है, धोखा नहीं दूंगा।

अब जानिए युवती ने पुलिस को क्या बताया

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि, 2018-19 में फेसबुक के माध्यम से संजय दुबे से जान पहचान हुई थी। फेसबुक के जरिए संजय ने नजदीकियां बढ़ाई। मुझे बरगलाया और प्रलोभित किया। 2021 में मेरे घर आरंग आया और रेप किया। पीड़िता ने पुलिस से बताया कि संजय दुबे पूछता था कि आपका कोई बॉयफ्रेंड है कि नहीं। मैंने कहा कि मेरा कोई बॉयफ्रेंड नहीं है। मैं इन फालतू कामों में ध्यान नहीं देती हूं। संजय दुबे ने कहा कि तुमसे शादी करना चाहता हूं।

पीड़िता बोली- अश्लील बातें करता था आरोपी

पीड़िता ने बताया कि संजय दुबे कहता था कि मैं अपनी पत्नी को तलाक दे दूंगा, तब मैंने कहा कि आप बुजुर्ग अधिकारी हैं। मैं आपकी बेटी जैसी हूं, लेकिन संजय दुबे ने कहा कि उम्र में भले बुजुर्ग हूं, लेकिन शादी के लायक हूं। संजय दुबे लगातार अश्लील बातें भी करता था। पीड़िता ने बताया कि आरंग में मेरे घर में आरोपी ने रेप किया। जबरन अश्लील फोटो और वीडियो लिए। वायरल करने की धमकी देकर रेप किया। धमकियों से बहुत परेशान थी। आरोपी की पत्नी से मिलने की कोशिश की, लेकिन वह भी नहीं मिलीं। इस दौरान संजय दुबे ने अश्लील फोटोज को लेकर ब्लैकमेल किया। जब मैंने शादी करने का दबाव बनाया, तो मुझे जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद थाने में शिकायत दर्ज कराई हूं। युवती की शिकायत पर पुलिस ने रिटायर फूड अफसर के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बीजापुर में 6 नक्सलियों का एनकाउंटर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर बीजपुर जिले में जवानों ने 6 नक्सलियों को मार गिराया है। मारे गए सभी नक्सलियों के साथ कई ऑटोमैटिक हथियार भी बरामद किए गए हैं।

एनकाउंटर के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि लाल आतंक के विरुद्ध अभियान जारी है, नक्सलवाद खत्म हो रहा है। बीजापुर एसपी डॉ. जितेन्द्र यादव ने बताया कि इंसास, स्टेनगन, 303 राइफल, विस्फोटक और नक्सल सामग्री बरामद की गई है।

वहीं बस्तर रेंज आईजी सुंदरराज पी. ने कहा कि सुरक्षाबलों के लिए एक निर्णायक और महत्वपूर्ण बढ़त है। यह सफलता ऐसे समय में मिली है, जब माओवादी संगठन नेतृत्वविहीन, दिशाहीन और मनोबलहीन स्थिति में अपने कुछ बचे हुए ठिकानों में सिमटकर रह गया है। गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि, नक्सली सरेंडर करेंगे, उन्हें वापस आने का सुरक्षित रास्ता भी दिया जाएगा। आने के बाद पुनर्वास भी कराया जाएगा। अगर नक्सलियों की तरफ से हमला होता है, तो उसका मुंहतोड़ जवाब भी दिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ पुलिस की बड़ी सफलता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बीजापुर में सुरक्षाबलों की नक्सल विरोधी कार्रवाई में मिली बड़ी सफलता पर बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ पुलिस की डीआरजी (District Reserve Guard) और एसटीएफ (Special Task Force) की संयुक्त टीम द्वारा नक्सलियों के साथ चल रही मुठभेड़ में अब तक छह नक्सली न्यूट्रलाइज किए गए हैं। यह लाल आतंक के समूल नाश की दिशा में सुरक्षाबलों के जवानों की बड़ी सफलता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी के नेतृत्व में 31 मार्च 2026 तक देश और प्रदेश से नक्सलवाद को समाप्त करने का जो संकल्प लिया गया है, उसकी दिशा में यह एक और निर्णायक कदम है।

भिलाई आईआईटी में स्टूडेंट की संदिग्ध मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आईआईटी भिलाई में पढ़ाई कर रहे नर्मदापुरम के छात्र की मंगलवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह आईआईटी भिलाई में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के बीटेक फर्स्ट सेमेस्टर का स्टूडेंट था। इसी साल उसने एडमिशन लिया था। मामला जेवरा पुलिस चौकी क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार, 11 नवंबर की सुबह करीब साढ़े 10 बजे सौमिल साहू (18) की तबीयत अचानक बिगड़ी। उसे सुपेला के स्पर्श अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, मिर्गी का दौरा पड़ने की बात सामने आई है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस घटना को लेकर देर रात स्टूडेंट का गुस्सा फूट पड़ा। रात 12 बजे से लेकर 2 बजे तक विद्यार्थी कैंपस में हंगामा करते रहे। इस दौरान उन्होंने प्रबंधन से व्यवस्थाओं की कमी को लेकर आक्रोश जताया।

उनका कहना था कि यहां पर आज तक कोई व्यवस्था नहीं है। पांचवां दीक्षांत समारोह तो मना लिया, लेकिन विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर कोई व्यवस्था नहीं है। अगर छात्र को

समय पर बेहतर इलाज मिल जाता तो उसकी जान बच जाती।

परिजनों को दी गई जानकारी

नर्मदापुरम की साई दर्शन सोसाइटी निवासी सौमिल के पिता वीरेंद्र साहू सिक्योरिटी पेपर मील (एसपीएम) में कर्मचारी हैं। बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिजन नर्मदापुरम से भिलाई पहुंचे। पीएम के बाद वो शव लेकर घर के लिए रवाना हो गए हैं। सौमिल साहू भिलाई शहर के शांति नगर में रहता था। दीपावली में वह घर भी गया था। पिता वीरेंद्र साहू ने बताया 10 नवंबर को उसे बुखार आया था। 11 नवंबर की सुबह भिलाई में रहने वाले भांजे दामाद को हमने उसे देखने के लिए भेजा। उसे स्पर्श अस्पताल सुपेला में भर्ती कराया था। पिता के मुताबिक, बेटा पूरी तरह स्वस्थ था और उसे किसी गंभीर बीमारी की शिकायत नहीं थी। उन्होंने कहा कि घटना के वास्तविक कारण की अच्छी तरह से जांच होना जरूरी है।

आईआईटी मैनेजमेंट ने कहा सामान्य मौत

आईआईटी भिलाई के प्रबंधन ने इस हादसे पर दुख जताया गया है। प्रबंधन ने इस मामले में किसी भी तरह के हादसे, विवाद और सुसाइड जैसी घटनाओं से साफ इनकार किया है। बता दें कि आईआईटी भिलाई का 10 नवंबर को ही दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया था। वहीं इस मामले में जेवरा-चौकी प्रभारी खगेंद्र पठारे ने बताया कि मृतक छात्र का पोस्टमॉर्टम सुपेला अस्पताल में हो गया था। उसके परिजन को शव सौंप दिया गया है। मौत की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह पता चल सकेगी। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है। परिजनों के आरोप के सवालों के जवाब में जेवर-सिरसा चौकी प्रभारी ने बताया कि अब तक किसी भी तरह की लिखित शिकायत परिजनों की ओर से पुलिस को नहीं दी गई है।

शादी समारोह में मेहमान बनकर पहुंचे चोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के गुढ़ियारी इलाके में एक शादी समारोह के दौरान चोरी हुई है। दो युवक मेहमान बनकर शादी समारोह में पहुंचे फिर शगुन का बैग और चांदी की मूर्तियां चुरा लीं। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें लाल शर्ट पहने आरोपी चोरी करते हुए दिखाई दे रहा है। शादी समारोह में वीडियोग्राफर द्वारा शूट किए गए वीडियो में यह पूरी घटना कैद हो गई। पुलिस की जांच-पड़ताल के बाद आरोपियों की पहचान हुई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। मामला गुढ़ियारी थाना क्षेत्र का है।

पुलिस के मुताबिक, 6 नवंबर को गुढ़ियारी इलाके में स्थित ओशो भवन मैरिज गार्डन में राजपूत परिवार के यहां शादी थी। तभी रायपुर के ही रहने वाले अज्ञात लोग शादी में पहुंचे और स्टेज के पीछे से सामानों और कैश की चोरी कर

ली। इस दौरान सभी शादी में व्यस्त थे। लोग स्टेज पर पहुंचकर फोटो क्लीक करवा रहे थे। तभी पीछे से आरोपी इस घटना को अंजाम दे रहे थे। बाद में जब घर वालों को सामान गायब मिला तो थाने पहुंचे।

शिकायतकर्ता नितेश राजपूत ने गुढ़ियारी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 6 नवंबर को उसके साले के विवाह समारोह के दौरान उसकी पत्नी का पर्स गायब हो गया, जिसमें कैश, मोबाइल और गिफ्ट रखे थे। शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करके जांच शुरू की और आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान रायपुर के चूना भट्टी निवासी नवीन मानिकपुरी उर्फ लल्ला मानिकपुरी (19 वर्ष) निवासी नर्मदापारा और किशन साहू (21 वर्ष) के रूप में हुई है। गुढ़ियारी थाना प्रभारी बीएल चंद्राकर ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर ओशो भवन और आस पास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों के रिकॉर्डिंग की जांच की गई। सीसीटीवी कैमरों के अलावा शादी समारोह को रिकॉर्ड करने पहुंचे वीडियोग्राफर की रिकॉर्डिंग खंगाली। इस फुटेज के आधार पर जांच शुरू की तो आरोपी का रिकॉर्ड मिला। पूछताछ में दोनों ने अपराध कबूल कर लिया। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने चोरी की चांदी की मूर्ति, बिछिया, 14,600 कैश, मोबाइल और पर्स सहित कुल करीब 60,000 का माल बरामद किया है।

नायब तहसीलदारों के साथ मारपीट, 4 गिरफ्तार

कोरबा। जिले से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां कुछ युवकों ने नायब तहसीलदारों के साथ मारपीट की है। युवकों ने नशे की हालत में मारपीट की वारदात को अंजाम दिया है। इस घटना से बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। वहीं पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला कोरबा जिले के कुसमुंडा थाना के श्रमिक बस्ती का है। यहां शराब के नशे में धुत युवकों ने हरदीबाजार के 2 नायब तहसीलदार के साथ मारपीट की। युवकों ने नशे की हालत में जमकर उत्पात मचाया। वारदात के बाद दोनों नायब तहसीलदार थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत दर्ज होते ही पुलिस की टीम हरकत में आ गई।

फर्जी जमीन दिखाकर वसूले पैसे

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। एक ही जमीन को कई लोगों को दिखाकर उनसे जमीन के एडवांस पैसे के नाम पर ठगी करने वाले शातिर जमीन दलाल कयूम अंसारी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। ठगी के शिकार लोगों ने आरोपी ठग के खिलाफ सीधे न्यायालय में केस दर्ज कराया था। न्यायालय से पुलिस को आरोपी को गिरफ्तार करने का आदेश प्राप्त हुआ था। जानकारी के अनुसार आरोपी कयूम अंसारी ने वर्ष 2024 से 2025 के बीच एक ही जमीन को अलग-अलग लोगों को दिखाकर उनसे अग्रिम राशि के रूप में पैसे लिए थे। बाद में जब संबंधित व्यक्तियों ने अपने रुपए वापस मांगे, तो आरोपी ने उन्हें चेक जारी किया। परंतु जब इन चेकों को बैंक में जमा किया गया,

तो आरोपी के खाते में पर्याप्त धनराशि न होने से सभी चेक बाउंस हो गए। प्रकरण की सुनवाई के दौरान आरोपी न्यायालय में उपस्थित नहीं हुआ, जिस पर न्यायालय ने उसके खिलाफ कुल 7 स्थाई वारंट जारी किए थे। जशपुर पुलिस ने आरोपी के निवास जशपुर के चीर बगीचा मोहल्ला से आरोपी स्थाई वारंटी कयूम अंसारी को गिरफ्तार कर लिया।

गर्लफ्रेंड की सिर कुचलकर हत्या, मिला कंकाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

सरगुजा। सरगुजा में शादी का दबाव बनाने पर बॉयफ्रेंड ने गर्लफ्रेंड की पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी। उसके शव को जंगल में गड्ढा कर दफना दिया।

अब 4 महीने से लापता 16 साल की लड़की का कंकाल और उसका बैग बरामद हुआ है।

पुलिस ने नाबालिग प्रेमी को हिरासत में लिया है। घटना बतौली थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार संगीता रजक (16) सूरजपुर जिले के रमकोला थाना क्षेत्र की रहने वाली थी।

अंबिकापुर के पटपरिया इलाके में अपनी सहेलियों के साथ रहकर काम करती थी। 4 अगस्त 2025 को वह अपने किराए के कमरे से निकली और वापस नहीं लौटी। संगीता से संपर्क नहीं हो पाया तो सहेलियों ने परिजनों को सूचना दी।

परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराई थी। जांच में पता चला कि आरोपी संगीता को घुमाने के बहाने बतौली क्षेत्र के जंगल लाया था।

जंगल में गड्ढे से मिला कंकाल

पुलिस को जांच के दौरान पता चला कि संगीता रजक का लुंड्रा थाना क्षेत्र के एक नाबालिग युवक से प्रेम प्रसंग था। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की, तो उसने हत्या की बात स्वीकार की। आरोपी की निशानदेही पर चिरगा जंगल में खुदाई कराई गई, जहां से कंकाल और बैग बरामद हुआ। तहसीलदार, एसडीओपी, फोरेंसिक टीम और डॉक्टरों की उपस्थिति में खुदाई की गई। बैग में मिले कपड़ों से मां और सहेलियों ने पहचान की।

घुमाने के बहाने जंगल की ओर लाया

3 अगस्त को आरोपी बाइक लेकर अंबिकापुर पहुंचा और संगीता को घुमाने के बहाने बतौली क्षेत्र के जंगल में ले गया। वहां उसने पत्थर से सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी। शव को गड्ढे में दबाकर ऊपर से पत्थर डाल दिए।

घटना स्थल से जुटाए गए साक्ष्यों को जांच के लिए भेजा गया है। शव की पहचान हो चुकी है, लेकिन डीएनए रिपोर्ट से अंतिम पुष्टि की जाएगी।

मामूली विवाद के बाद टांगी मारकर पत्नी की हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में मामूली बात पर शराब के नशे में पति ने अपनी पत्नी की टांगी मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी पति फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इसके बाद मुखबिर की सूचना के बाद आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामला जशपुर जिले के चौकी पंडरा पाठ का है।

मिली जानकारी के अनुसार कुरकुरिया निवासी लरंग राम व अपनी पत्नी संतोषी बाई के साथ 10 नवंबर को पड़ोसी गांव पकरी टोली गया था। वापसी में ग्राम शरधापाठ, अंबाकोना के पास संतोषी बाई को अपने गांव कुरकुरिया की एक परिचित महिला

खेत में काम करती हुई दिखाई दी। इस पर उसने आवाज देकर बुलाया। इस बीच लरंग साय वहीं खेत के मेड़ पर लेटा हुआ था। वह शराब के नशे में था और पत्नी के इस तरह खेत के पास चिल्लाने से नाराज हो गया। इसके बाद संतोषी बाई से विवाद हुआ तो उसने अपने पास रखी टांगी से वार कर हत्या कर दी। हत्या के बाद वह फरार हो गया।

इस मामले में शिकायत मिलने पर तत्काल चौकी पंडरा पाठ में आरोपी लरंग राम के विरुद्ध हत्या के लिए बी एन एस की धारा 103(3) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच विवेचना में लिया गया। पुलिस के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए घटना स्थल पहुंच, घटना स्थल का निरीक्षण कर, शव का पंचनामा किया गया व शव का डॉक्टर से पोस्ट मार्टम भी कराया गया। आरोपी लरंग राम घटना कारीत कर, फरार हो गया था, जिसे कि पुलिस के द्वारा, मुखबिर की सूचना पर, ग्राम शरधापाठ जंगल से घेरा बंदी कर हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस के द्वारा आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त टांगी को भी जप्त कर लिया गया है। पुलिस की पूछताछ पर आरोपी लरंग राम के द्वारा अपराध स्वीकार करने व प्रयाप्त अपराध सबूत पाए जाने पर उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा रहा है। मामले की कार्यवाही व आरोपी की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी पंडरा पाठ उप निरीक्षक सतीश सोनवानी, प्रधान आरक्षक विनोद केरकेट्टा, आरक्षक अरुण राम, दिलेश्वर भगत व बिलचियूस लकड़ा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ शासन सत्यमेव जयते

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

डबल इंजन की सरकार में

विकास सुपरफास्ट

- **रावघाट-जगदलपुर रेल परियोजना**
  के साथ रेल नेटवर्क मैप से जुड़ रहा बस्तर
- **पीएम जनमन योजना**
  के साथ जनजाति समुदाय का हो रहा विकास
- **बोधघाट परियोजना**
  दक्षिण छत्तीसगढ़ में बोधघाट परियोजना बनेगी हरियाली और समृद्धि का वरदान
- **महतारी वंदन**
  से महिलाओं को संबल
- **समृद्ध किसान**
  किसानों को बकाया बोनस, पीएम किसान सम्मान निधि का भी लाभ
- **पी एम आवास**
  26 लाख से अधिक परिवारों को अपना पक्का आवास
- **जगदलपुर- विशाखापत्तनम और रायपुर- विशाखापट्टनम**
  नई सड़क परियोजनाओं से विकास की नई राहें
- **स्पष्ट नीति और मजबूत निर्णयों के साथ सुशासन का राज**

RO-45320/3

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से जुड़ने के लिए Q.R. Code स्कैन करें

सुशासन से समृद्धि की ओर

Visit us : ChhattisgarhCMO | ChhattisgarhCMO | ChhattisgarhCMO | ChhattisgarhCMO | DPRChhattisgarh | DPRChhattisgarh | www.dprcg.gov.in | छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950